twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD
दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | सोमवार, 26 मई, 2025 | वर्षः 12, अंकः 196, पृष्ठः 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

सशस्त्र बलों और पीएम मोदी की प्रशंसा में प्रस्ताव पारित

पीएम मोदी ने भाजपा-एनडीए शासित 19 राज्यों के सीएम-डिप्टी सीएम के साथ बैठक की

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भाजपा-एनडीए शासित 19 राज्यों के सीएम-डिप्टी सीएम के साथ दिल्ली के बैठक की। इसमें गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहे। सूत्रों के हवाले से कहा- बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि जाति जनगणना उनकी सरकार के उस मॉडल की दिशा में एक कदम है, जिसके तहत वे हाशिए पर पड़े लोगों और हर क्षेत्र में पिछड़े लोगों को विकास की मुख्यधारा में लाएंगे। पीएम ने ये भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता इसकी पुष्टि करती है कि देश ने आत्मनिर्भरता की दिशा में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। स्वदेशी डिफेंस टेक्नोलॉजी ने सटीक निशाना लगाते हुए पाकिस्तान के ड्रोन-मिसाइल मार गिराए।

पीएम मोदी ने भाजपा-एनडीए शासित राज्य सरकारों को गुड गवर्नेंस अपनाने का भी कहा है। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा- मीटिंग में ऑपरेशन सिंदूर और जनगणना को लेकर प्रस्ताव पास हुआ। मोदी 3.0 के एक साल पूरे होने, इंटरनेशनल योग डे 10 साल पूरे होने और देश में लगी इमरजेंसी के 50 साल पूरे होने जैसे कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार किया गया। नड्डा बोले- ऑपरेशन सिंदूर और जाति जनगणना पर प्रस्ताव पास हुआ भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि पहला प्रस्ताव ऑपरेशन सिंदूर को लेकर था, जो प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चलाया गया। हमारी सेना के काम की खूब सराहना की गई। यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। नड्डा ने आगे कहा कि जाति जनगणना को लेकर भी एक प्रस्ताव पारित किया गया। सभी नेताओं ने इस पर सहमति दी।
और मोदी जी के इस फैसले की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। जेपी नड्डा ने आगे कहाः हमने यह साफ कर दिया है कि हम जाति की राजनीति नहीं करते, बल्कि हमारा मकसद है कि जो लोग वंचित, पीड़ित और शोषित हैं, जिन्हें अब तक नजरअंदाज किया गया है, उन्हें मुख्यधारा में लाया जाए।

जातिगत जनगणना समाज की आवश्यकताः पीएम मोदी

जातिगत जनगणना के माध्यम से हम इसे देखते हैं और आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह समाज की आवश्यकता है। जाति जनगणना के माध्यम से हम इसे देखते हैं और आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। बैठक में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि भी दी गई। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर पर कहा

था कि यह सेना का शौर्य है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया है कि हमें आत्मनिर्भर भारत बनाना है। एनडीए के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बताया कि बैठक में नक्सलियों के खिलाफ चल रहे अभियान पर भी चर्चा हुई। नक्सलवाद को लेकर जो योजनाएं चल रही हैं, उन पर चर्चा हुई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी रणनीति पर चर्चा की और उन्होंने हमारा मार्गदर्शन किया और सभी मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों को बताया कि हमने इसे हराने के लिए अपनी ताकत का इस्तेमाल कैसे किया है।

पीएम मोदी ने एनडीए सरकारों को गुड गवर्नेंस अपनाने का कहा

पीएम मोदी ने भाजपा-एनडीए शासित राज्य सरकारों को गुड गवर्नेंस अपनाने का भी कहा है। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा- मीटिंग में ऑपरेशन सिंदूर और जनगणना को लेकर प्रस्ताव पास हुआ। मोदी 3.0 के एक साल पूरे होने, इंटरनेशनल योग डे 10 साल पूरे होने और देश में लगी इमरजेंसी के 50 साल पूरे होने जैसे कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार किया गया। नड्डा बोले- ऑपरेशन सिंदूर और जाति जनगणना पर प्रस्ताव पास हुआ भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि पहला प्रस्ताव ऑपरेशन सिंदूर को लेकर था, जो प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चलाया गया। हमारी सेना के काम की खूब सराहना की गई। यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। नड्डा ने आगे कहा कि जाति जनगणना को लेकर भी एक प्रस्ताव पारित किया गया। सभी नेताओं ने इस पर सहमति दी। और मोदी जी के इस फैसले की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। जेपी नड्डा ने आगे कहाः हमने यह साफ कर दिया है कि हम जाति की राजनीति नहीं करते, बल्कि हमारा मकसद है कि जो लोग वंचित, पीड़ित और शोषित हैं, जिन्हें अब तक नजरअंदाज किया गया है, उन्हें मुख्यधारा में लाया जाए। यही समाज की जरूरत है।
आतंकवाद के खिलाफ भारत का ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। इसमें 26 टूरिस्ट की हत्या की गई थी।

05 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा

नई दिल्ली
चुनाव आयोग ने चार राज्यों गुजरात, केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव कराने की घोषणा की है। इन सीटों पर 19 जून को मतदान होगा और 23 को नतीजे आएंगे। उपचुनाव गुजरात की कड़ी और विसावदर सीट, केरल की नीलांबूर सीट, पंजाब की लुधियाना पश्चिम सीट और पश्चिम बंगाल की कालिगंज सीट पर होंगे।

यूपीः प्रदेश में पहले दिन नहीं तपा नौतपा

लखनऊ
हवाओं और बारिश के असर से रविवार से शुरू हुए नौतपा के पहले दिन गर्मी से राहत रही। पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्रों में लू नहीं चली। हालांकि, नमी युक्त पूर्वा हवाओं से उमस भरी गर्मी रही। वहीं, आंधी और बारिश के बीच अलग-अलग जिलों में हुए हादसों में चार लोगों की मौत हो गई। 2 जून तक नौतपा के दौरान तपिश और गर्मी मध्यम दर्जे की रहने के संकेत हैं।

ज्योति केसः मिली डिलीट डेटा रिपोर्ट

हिसार
जासूसी के आरोप में गिरफ्तार ज्योति मल्होत्रा के मोबाइल से डिलीट डेटा की रिपोर्ट पुलिस को मिल गई है। इसमें दानिश और पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव (पीआईओ) से बातचीत के सूबत मिले हैं। अभी उसके लैपटॉप की रिपोर्ट आना बाकी है। पुलिस ने ज्योति के तीन मोबाइल फोन व एक लैपटॉप को फॉरेंसिक जांच के लिए करनाल की मधुबन लैब भेजा था। ज्योति की चार और दिन की रिमांड भी रविवार शाम तक पूरी हो गई। पुलिस उसे सोमवार को कोर्ट में पेश करेगी।

पीएम दाहोद में लोकोमोटिव संयंत्र राष्ट्र को समर्पित करेंगे

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 26 और 27 मई को गुजरात के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे दाहोद, भुज और गांधीनगर में अलग-अलग कार्यक्रमों में भाग लेंगे। दौरे की शुरूआत 26 मई को दाहोद से होगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शिष्टाचार भेंट करते हुए।

भारत बना दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, जापान को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली
आर्थिक मोर्चे पर बड़ी सफलता हासिल करते हुए भारत ने दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में सफलता हासिल कर ली है। भारत ने अर्थव्यवस्था के मामले में जापान को पीछे छोड़ दिया है। इस तरह अब सिर्फ अमेरिका, चीन और जर्मनी ही अर्थव्यवस्था के मामले में भारत से आगे हैं। इस बात की जानकारी नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने दी है। उन्होंने दावा किया है कि

भारत की अर्थव्यवस्था अब 4 ट्रिलियन डॉलर की हो गई है। नीति आयोग की दसवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए सुब्रह्मण्यम ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आंकड़ों का हवाला देकर कहा कि ग्लोबल और इकोनॉमिक माहौल भारत के अनुकूल बना हुआ है।
इस वजह से भारत अर्थव्यवस्था के मामले में जापान से आगे निकल गया है और अब हम चार ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बन गए हैं। यदि हम अपनी योजनाओं और विचारों पर कायम रहते हैं, तो आने वाले ढाई से तीन वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएंगे। पत्रकारों से बात करते हुए बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत एक ऐसे चरण में है, जहां ये बहुत तेजी से विकास कर सकता है, जैसा कि अतीत में कई देशों ने किया है।

भारत को सामर्थ्यवान बनना चाहिएः मोहन भागवत

नई दिल्ली
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि भारत को इतना सामर्थ्यवान बनना चाहिए कि कोई भी शक्ति उसे पराजित न कर सके। उन्होंने संघ प्रार्थना की एक पंक्ति का उल्लेख करते हुए बताया कि यह केवल भावना नहीं बल्कि हमारा संकल्प है।

उन्होंने कहा कि अपना स्वयं का बल ही वास्तविक बल होता है और सुरक्षा के मामले में हमें किसी अन्य पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। भागवत ने संघ की विचार पत्रिकाओं के संपादकों को दिए साक्षात्कार में देश, समाज और हिंदुत्व से जुड़े कई अहम विषयों पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने आत्मनिर्भर सुरक्षा, सामाजिक समरसता, संघ में महिलाओं की भूमिका और धर्म आधारित जीवन मूल्यों पर स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि विश्व में कुछ लोग आक्रामक प्रवृत्ति के होते हैं और केवल सज्जनता से उनकी रोकथाम संभव नहीं है। सज्जनता के साथ शक्ति भी जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि जब सज्जनता में शक्ति नहीं होती तो वह असहाय बन जाती है और शक्ति यदि सज्जनता से रहित हो तो हिंसा में बदल सकती है। इसलिए दोनों का संतुलन आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि मोहन भागवत का यह साक्षात्कार भारत के ऑपरेशन सिंदूर के पहले लिया गया था। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचारों से जुड़े एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि अब वहां का हिंदू समाज पहले से अधिक जागरूक और आत्मविश्वासी हो गया है। पहले ऐसे हालात में पलायन होता था लेकिन अब वहां के हिंदू कहते हैं कि वे भागेंगे नहीं बल्कि अपने अधिकारों के लिए वहीं संघर्ष करेंगे। भागवत ने इसे हिंदू समाज के बढ़ते आत्मबल और संगठन का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वभर में फैले हिंदू समाज के साथ खड़ा है।

ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक कार्रवाईः पीएम मोदी

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम में 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय सेनाओं ने सीमा पार आतंकवादी ठिकानों पर सटीक कार्रवाई कर हर भारतीय को गौरव से भर दिया है। यह सिर्फ एक सैन्य मिशन नहीं, बल्कि बदलते भारत की ताकत, संकल्प और आत्मनिर्भर भारत की तस्वीर भी है। प्रधानमंत्री ने माओवादी क्षेत्र में हो रहे विकास और अंतरराष्ट्रीय

योग दिवस पर भी अपने मन की बात रखी। उन्होंने बताया कि वह इस बार विशाखापट्टनम में योग दिवस से जुड़े मुख्य आयोजन में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के 122वें एपिसोड की शुरूआत ऑपरेशन सिंदूर से करते हुए मिशन में उपयोग में लाई गई देश की तकनीकी ताकत और घरेलू निर्माण क्षमताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि पूरे देश में इसे लेकर जोश देखा गया-तिरंगा यात्राएं, कविताएं, चित्रकला और नवजात शिशुओं को सिंदूर नाम देने की परंपरा तक शुरू हो गई।

शाहजहांपुर मेडिकल कॉलेज में भगदड़, गैस फैलने के बाद अफरा-तफरी

शाहजहांपुर
उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में राजकीय मेडिकल कॉलेज में गैस लीक होने से अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद मरीजों को तत्काल वार्ड से बाहर निकाला गया। जानकारी के मुताबिक गैस लीक होने से लोगों को सांस लेने में दिक्कत महसूस हो रही थी। वहीं गैस लीक की जानकारी मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई। ऑपरेशन थिएटर से गैस लीक होने के बाद अफरा-तफरी मच गई। गैस लीक होने पर भर्ती मरीजों को सांस लेने में दिक्कत हुई तो तीमारदार मरीजों को बाहर लेकर भागने लगे। जिससे मेडिकल कालेज में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश कुमार ने बताया कि ट्रामा सेन्टर में स्थित ओटी से पर्मलीन की स्मैल आने से मरीजों को दिक्तत हुई है। उन्होंने कहा कि गैस लीक होने की जानकारी मिलने के बाद तीमारदार मरीजों को लेकर भागने लगे जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

पीएम मोदी ने जातिगत जनगणना का निर्णय लेकर दूरदर्शी नेतृत्व का परिचय दियाः सैनी

चंडीगढ़
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रव्यापी जातिगत जनगणना का ऐतिहासिक निर्णय लेकर दूरदर्शी नेतृत्व का परिचय दिया है। यह निर्णय सामाजिक न्याय की दिशा में एक अभूतपूर्व कदम है जो समाज के सबसे वंचित और उपेक्षित वर्गों को उनके अधिकार और अवसर प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त करेगा। मुख्यमंत्री ने आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों की बैठक में यह बात कही। इस बैठक में ऑपरेशन सिंदूर में सशस्त्र बलों के पराक्रम और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साहसी नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए एक प्रस्ताव भी पारित किया गया। प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा भी इस एक दिवसीय सम्मेलन में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" का मंत्र इस निर्णय में जीवंत रूप से प्रकट हुआ है। यह कदम वंचित समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को समझने में मदद करेगा, जिससे उनकी शिक्षा, रोजगार और समग्र प्रगति के लिए लक्षित नीतियां बन सकेंगी। आपका यह प्रयास समाज के हर कोने तक विकास की रोशनी पहुंचाने की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना से विभिन्न समुदायों की वास्तविक स्थिति का सटीक आकलन होगा, जिससे योजनाएं और अधिक प्रभावी होंगी। यह सरकार के विजन का हिस्सा है, जो हर भारतीय को समान अवसर और सम्मान प्रदान करने पर केंद्रित है। सरकार के इस कदम से समाज के सबसे कमजोर तबके का जीवन स्तर ऊंचा उठेगा, जो जन-केंद्रित शासन का एक और उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने लंबे समय से चली आ रही मांग को स्वीकार कर अपनी उदारता और दूरदर्शिता का परिचय दिया। यह कदम सिद्ध करता है कि सरकार सभी के विचारों का सम्मान करती है और देशहित में बड़े निर्णय लेने में सक्षम है और यह नेतृत्व भारत को वैश्विक मंच पर और गौरव दिलाएगा। नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने लंबे समय तक जातिगत जनगणना के मुद्दे पर केवल राजनीति की, जिसके कारण समाज के वंचित वर्गों को उनके अधिकारों से वंचित रखा गया। इस मुद्दे को बार-बार टालकर और इसे राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करके, पार्टी ने सामाजिक न्याय की दिशा में न केवल प्रगति को रोका, बल्कि जातिगत आधार पर समाज में विभाजन को भी बढ़ावा दिया। इससे वंचित समुदायों को उनकी उचित हिस्सेदारी और सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में बाधा उत्पन्न हुई, जिसका खामियाजा समाज के कमजोर वर्गों को भुगतना पड़ा।

ऐतिहासिक उपलब्धि : संयुक्त राष्ट्रीय पर्वतारोहण दल ने माउंट एवरेस्ट फतह किया

एजेंसी

नई दिल्ली । नई दिल्ली। भारतीय पर्वतारोहियों की एक टीम ने विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) को सफलतापूर्वक फतह करने का कीर्तिमान स्थापित किया। विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाले इस दल में भारतीय सेना के जवान, प्रशिक्षक और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि देश के प्रमुख पर्वतारोहण संस्थानों – जवाहर इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड विंटर स्पोर्ट्स पहलगाम, नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग उत्तरकाशी और हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट दार्जिलिंग – के प्रशिक्षकों की संयुक्त पर्वतारोहण टीम ने 23 मई 2025 को विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) को सफलतापूर्वक फतह कर ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह अभियान 26 मार्च 2025 को शुरू हुआ था। 26 मार्च को नई दिल्ली से रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ द्वारा हरी झंडी दिखाकर पर्वतारोहियों के दल को रवाना किया गया था। इस दल का नेतृत्व नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग के प्राचार्य कर्नल अंशुमान भदौरिया और जवाहर इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड विंटर स्पोर्ट्स के प्राचार्य कर्नल हेम

चंद्र सिंह ने किया। इस दल में पांच विशेषज्ञ प्रशिक्षक शामिल थे। प्रशिक्षकों में जवाहर इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड विंटर स्पोर्ट्स के हवलदार राजेन्द्र मुखिया, नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग के राकेश सिंह राणा, सूबेदार बहादुर पाहन, हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट के पासंग तेनजिंग शेर्पा और हवलदार थुप्स्तन त्सेवांग शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि टीम ने एवरेस्ट पर चढ़ाई से पूर्व, 18 अप्रैल 2025 को अपनी अनुकूलन प्रक्रिया के तहत माउंट लोबुचे (6,119 मीटर) को भी सफलतापूर्वक आरोहित किया। माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई के इस चुनौतीपूर्ण अभियान के दौरान पर्वतारोहियों ने भीषण मौसम और अत्यधिक ऊंचाई जैसी कठिन परिस्थितियों का डटकर सामना किया। इस दौरान पूरी टीम ने अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और अनुकरणीय टीम भावना का परिचय दिया। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि इस उपलब्धि के साथ पर्वतारोहियों की इस टीम ने भारत के पर्वतारोहण इतिहास में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। टीम अब सुरक्षित रूप से एवरेस्ट बेस कैंप से उतरकर काठमांडू की ओर अग्रसर है। गौरतलब है कि इसी माह राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के पर्वतारोहण दल ने 18 मई को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की थी। इसके बाद टीम सुरक्षित रूप से एवरेस्ट बेस कैंप पर लौट आई। वह ऐतिहासिक उपलब्धि थी और एनसीसी अभियान दल द्वारा माउंट एवरेस्ट पर तीसरी सफल चढ़ाई थी।

लालू यादव का बड़ा फैसला : तेज प्रताप यादव आरजेडी और परिवार से 6 साल के लिए निष्कासित

एजेंसी

पटना। बिहार की राजनीति में एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है, जहाँ राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी और परिवार से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। यह फैसला राजनीतिक हलकों में गहरी चर्चा का विषय बन गया है, क्योंकि इसे लालू परिवार के भीतर बढ़ती कलह और पार्टी की आंतरिक संरचना पर इसके संभावित प्रभावों के रूप में देखा जा रहा है। लालू प्रसाद यादव ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के माध्यम से इस फैसले की घोषणा की। उन्होंने लिखा, 'निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमज़ोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित किया जाता है।' यह निष्कासन तेज प्रताप यादव के हालिया बयानों और पार्टी कार्यक्रमों में उनके अनियमित व्यवहार के बाद आया है, जिसे अक्सर पार्टी नेतृत्व के लिए असहज स्थिति पैदा करने वाला माना जाता रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब RJD बिहार में अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने और आगामी चुनावों के लिए रणनीति बनाने में लगी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि लालू यादव का यह कदम परिवार के भीतर अनुशासन बनाए रखने और पार्टी की छवि को धूमिल होने से बचाने का प्रयास है। यह फैसला दिखाता है कि लालू प्रसाद, भले ही स्वास्थ्य कारणों से सक्रिय राजनीति से कुछ हद तक दूर हों, लेकिन पार्टी और परिवार पर उनका नियंत्रण अभी भी बरकरार है। इस निष्कासन से RJD के भीतर शक्ति संतुलन और तेजस्वी यादव की स्थिति पर भी असर पड़ सकता है, जिन्हें लालू का राजनीतिक उत्तराधिकारी माना जाता है। आने वाले दिनों में बिहार की राजनीतिक परिदृश्य में इस फैसले के दूरगामी परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

पीएम मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को 'वोकल फॉर लोकल' से जोड़ा

▸▸ कहा- 'देश में बनी चीजों को प्राथमिकता दें'

'हमें आतंकवाद को खत्म करना है।'

एजेंसी

नई दिल्ली । 'मन की बात' के 122वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वोकल फॉर लोकल का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत में बने हथियारों, उपकरणों और टेक्नोलॉजी की ताकत, उसमें 'आत्मनिर्भर भारत' का संकल्प भी था। पीएम मोदी ने मन की बात को संबोधित करते हुए कहा, 'हमारे इंजीनियर, हमारे टेक्निशियन हर किसी का पसीना इस विजय में शामिल है। इस अभियान के बाद पूरे देश में 'वोकल फॉर लोकल' को लेकर एक नई ऊर्जा दिख रही है। कई बातें मन को छू जाती हैं। एक मां-बाप ने कहा कि अब हम अपने बच्चों के लिए सिर्फ भारत में बने

खिलौने ही लेंगे। देशभक्ति की शुरुआत बचपन से होगी। 'प्रधानमंत्री ने कहा, कुछ परिवारों ने शपथ ली है कि हम अपनी अगली छुट्टियां देश के किसी खूबसूरत जगह में ही बिताएंगे। कई युवाओं ने 'वेड इन इंडिया' का संकल्प लिया है, वो देश में ही शादी करेंगे। किसी ने ये भी कहा है कि अब जो भी गिफ्ट देंगे, वह किसी भारतीय शिल्पकार के हाथों से बना होगा। पीएम मोदी ने देशवासियों की सराहना करते हुए कहा, साथियों, यही तो है, भारत की असली ताकत 'जन-मन का जुड़ाव, जन-भागीदारी'। मैं आप सबसे भी आग्रह करता हूं, आइए, इस अवसर पर एक संकल्प लें। हम अपने जीवन में जहां भी संभव हो, देश में बनी चीजों को प्राथमिकता देंगे। यह सिर्फ आर्थिक आत्मनिर्भरता की बात नहीं है, यह राष्ट्र के निर्माण में भागीदारी का भाव है। हमारा एक कदम, भारत की प्रगति में बहुत बड़ा योगदान बन सकता है। इससे पहले उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने के लिए देशवासियों की सराहना की। साथ ही कहा कि हमारा संकल्प है कि हमें आतंकवाद को खत्म करना है। पीएम मोदी ने 'मन की बात' को संबोधित करते हुए कहा, आज पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है, आक्रोश से भरा हुआ है और संकल्पबद्ध है। आज हर भारतीय का यही संकल्प है कि हमें आतंकवाद को खत्म करना है। साथियों, 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हमारी सेनाओं ने जो पराक्रम दिखाया है, उसने हर हिंदुस्तानी का सिर ऊंचा कर दिया है। जिस शुद्धता के साथ, जिस सटीकता के साथ, हमारी सेनाओं ने सीमा पार के आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया है, वो अद्भुत है।

पत्नी अनुष्का संग अयोध्या पहुंचे विराट कोहली, रामलला के किए दर्शन

एजेंसी

अयोध्या। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली पत्नी अनुष्का शर्मा संग अयोध्या पहुंचे। उन्होंने यहां राम जन्मभूमि मंदिर में राम लला के दर्शन किए और फिर हनुमानगढ़ी में भगवान हनुमान के दर पर माथा टेका। इस दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना की और भगवान का आशीर्वाद लिया। विराट इससे पहले पत्नी संग वृंदावन भी पहुंचे थे और वहां संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम जाकर उनसे आशीर्वाद लिया था। हनुमानगढ़ी में विराट कोहली और अनुष्का शर्मा को वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास ने दर्शन-पूजन कराया। मंदिर के पुजारी ने उन्हें फूल माला पहनाया और टीका लगाया। विराट-अनुष्का के पूजा-अर्चना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। दर्शन के दौरान स्टार कपल ने मीडिया से दूरी बनाई रखी। इसके अलावा कपल ने हनुमानगढ़ी के महंत ज्ञान दास के उत्तराधिकारी व संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय दत्त से भी मुलाकात की। फिलहाल विराट कोहली इस समय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में व्यस्त हैं। उनकी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु प्लेऑफ में पहुंच चुकी है। टीम को अपना आखिरी लीग मैच लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ मंगलवार यानी 27 मई को खेलना है। यह मैच

लखनऊ के इकाना स्टेडियम में है।कोहली का आईपीएल 2025 में प्रदर्शन आईपीएल के मौजूदा सीजन में विराट कोहली शानदार फॉर्म में हैं। उन?होंने आईपीएल 2025 में 12 मैचों में 7 अर्धशतकों की मदद से 548 रन बनाए हैं। उनका औसत 60.89 का रहा है। वह अपनी टीम को पहली बार आईपीएल ट्रॉफी जीताने की कोशिश करेंगे।

कोच्चि के पास समुद्र में डूबा लाइबेरियाई कंटेनर पोत, सभी 24 सदस्य बचाए गए

'किसी भी आकस्मिक स्थिति के लिए भारतीय जहाज पूरी तरह तैयार हैं। '

एजेंसी

कोच्चि। कोच्चि से लगभग 38 समुद्री मील दूर रविवार को लाइबेरियाई कंटेनर पोत एल्सा-3 बाढ़ के कारण गहरे पानी में डूब गया, लेकिन भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल ने जहाज के सभी 24 चालक दल सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया है। समुद्र में डूबे जहाज से किसी भी तेल या रासायनिक रिसाव पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। किसी भी आकस्मिक स्थिति के लिए भारतीय जहाज पूरी तरह तैयार हैं। आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि 184 मीटर लंबा लाइबेरियाई कंटेनर जहाज एल्सा-3 तिरुवनंतपुरम के पास विझिनजाम बंदरगाह से 23 मई को कोच्चि बंदरगाह के लिए रवाना हुआ था। कोच्चि के रास्ते में जहाज के स्टारबोर्ड की तरफ 26 डिग्री का झुकाव होने पर चालक दल

के 09 सदस्य लाइफ राफ्ट में चले गए। जहाज के कप्तान, मुख्य अभियंता और इंजीनियर बचाव कार्यों के लिए संकटग्रस्त जहाज पर सवार थे। भारतीय तटरक्षक बल को 24 मई को लगभग 13.25 बजे कोच्चि से करीब 38 समुद्री मील दूर लाइबेरियाई ध्वज वाले कंटेनर पोत एमएससी ईएलएसए 3 पर संकट की स्थिति के बारे में सूचना मिली

दरअसल, शिपिंग कंपनी पोत के साथ संचार स्थापित करने में असमर्थ थी और उसने पोत पर सवार 24 चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आईसीजी से सहायता मांगी। इस पर कोच्चि स्थित आईसीजी जिला मुख्यालय के अंतर्गत समुद्री बचाव उपकेंद्र (एमआरएससी) ने आईसीजी डोर्नियर विमान को हवाई निगरानी करने और जहाज से संपर्क स्थापित करने का काम सौंपा। तुरंत प्रतिक्रिया करते हुए विमान ने जहाज का पता लगाया। पानी में दो लाइफ राफ्ट दिखाई दीं, जिनमें क्रमशः 05 और 04 लोग जीवित लोग सवार थे। संकटग्रस्त स्थान के पास तैरते हुए कुछ कंटेनरों की भी पहचान की गई।

माओवादी हिंसा के खिलाफ सफलता के बाद प्रभावित जगहों पर सामान्य सुविधाएं पहुंचने लगीं-मोदी

• काटेझरी में आए इस परिवर्तन को आसपास के पूरे क्षेत्र में महसूस किया जा रहा है।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि माओवादी हिंसा के खिलाफ सामूहिक लड़ाई की सफलता बाद अब हिंसा से प्रभावित जगहों पर सामान्य सुविधाएं पहुंचने लगीं हैं और दंतेवाड़ा जैसे जिले खेल एवं शिक्षा के क्षेत्र में ऊंचाई हासिल कर रहे हैं। श्री मोदी ने आकाशवाणी पर प्रसारित होने वाले मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' के 122वें अंक में कहा, 'बस से कहीं आना-जाना कितनी सामान्य बात है। लेकिन मैं आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताना चाहता हूं जहां पहली बार एक बस पहुंची। इस दिन का वहां के लोग वर्षों से इंतजार कर रहे थे और जब गांव में पहली बार बस पहुंची तो लोगों ने ढ़ोल-नगाड़े बजाकर उसका स्वागत किया। बस को देखकर लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं था। गांव में पक्की सड़क थी, लोगों को जरूरत थी, लेकिन पहले कभी यहां

बस नहीं चल पाई थी। क्योंकि ये गांव माओवादी हिंसा से प्रभावित था। यह जगह है महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में और इस गांव का नाम है, काटेझरी। काटेझरी में आए इस परिवर्तन को आसपास के पूरे क्षेत्र में महसूस किया जा रहा है। अब यहां हालात तेजी से सामान्य हो रहे हैं। माओवाद के खिलाफ सामूहिक लड़ाई से अब ऐसे क्षेत्रों तक भी बुनियादी सुविधाएं पहुंचने लगी है। गांव के लोगों का कहना है कि बस के आने से उन लोगों का जीवन बहुत आसान हो जाएगा।' श्री मोदी ने कहा कि हम छत्तीसगढ़ में हुए बस्तर ओलंपिक और माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में विज्ञान प्रयोगशाला पर चर्चा कर चुके हैं। यहां के बच्चों में विज्ञान के प्रति लगाव है। वो खेलों में भी कमाल कर रहे हैं। ऐसे प्रयासों से पता चलता है कि इन इलाकों में रहने वाले लोग कितने साहसी होते हैं। इन लोगों ने तमाम चुनौतियों के बीच अपने जीवन को बेहतर बनाने की राह चुनी है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'मुझे यह जानकार भी बहुत खुशी हुई कि 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में दंतेवाड़ा जिले के नतीजे बहुत शानदार रहे हैं।

सीएम सुक्खू ने वित्त आयोग के अध्यक्ष से की भेंट, हिमाचल प्रदेश के लिए मांगी अधिक निधि

नई दिल्ली/शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने नई दिल्ली में वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया से भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ मौजूद राज्य सरकार के अधिकारियों ने आयोग के समक्ष प्रस्तुति दी और राज्य की ओर से एक ज्ञापन भी सौंपा। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के लिए निधि आवंटन बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि देश के पहाड़ी राज्य भौगोलिक दृष्टि से विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हैं। इसी कारण उन्हें उनका उचित हक मिलना चाहिए। प्रदेश ने पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए राज्य की सेवाओं के लिए ग्रीन बोनस की मांग भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कमी के कारण राज्य को नुकसान हुआ है और इसके लिए राज्य को उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हिमाचल प्रदेश के लिए राजस्व घाटा अनुदान को बढ़ाया जाना चाहिए, न कि धीरे-धीरे समाप्त किया जाए। मुलाकात के दौरान डॉ. पनगढ़िया ने आश्वासन दिया कि आयोग राज्य के आग्रह पर विचार करेगा।

पीएम मोदी 'मन की बात' कार्यक्रम में लोगों के मन की बात करते हैं : अनिल विज

अंबाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से रविवार को रेडियो पर 'मन की बात' कार्यक्रम के 122वें एपिसोड पर हरियाणा सरकार में मंत्री अनिल विज ने कहा कि पीएम मोदी इस कार्यक्रम में सिर्फ अपने मन की नहीं बल्कि देशवासियों के मन की बात करते हैं। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, पीएम मोदी पहले देश के प्रधानमंत्री हैं जो अपने मन की बात लोगों के साथ करते हैं। वर्तमान में जो ताजा मुद्दा होता है उससे देशवासियों को रूबरू करवाते हैं। आज उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बताया। जिस वीरता के साथ सैनिकों ने इस युद्ध में पराक्रम दिखाया, वह काबिले तारीफ है। इसके अलावा, नक्सली मूवमेंट, पर्यावरण संरक्षण, गुजरात के गिर में शेरों के संरक्षण और संख्या पर

उन्होंने विस्तार से बात की। इसके अलावा उन्होंने ड्रोन दीदी से लाभ उठा रही महिलाओं के बारे में जिक्र किया। पीएम मोदी मन की बात कार्यक्रम में इन चीजों को इसलिए उठाते हैं ताकि अन्य लोग भी इससे प्रेरित हो। विकसित राष्ट्र के लिए पीएम मोदी काम कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर और भारत-पाक के सीजफायर पर विपक्ष के आरोपों पर अनिल विज ने कहा कि हिन्दुस्तान पाकिस्तान की लड़ाई का सीजफायर हो गया। लेकिन, जुबानी गोलाबारी हो रही है। मैं समझता हूं कि विपक्ष को यह समझना चाहिए कि राजनीति करने के लिए कई और मुद्दे मिलेंगे। सेना के शौर्य पर सवाल उठाकर राजनीति न करें।

गुजरात, केरल और बंगाल समेत चार राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान

23 जून को आएंगे नतीजे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने गुजरात, केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा सीटों पर उप-चुनाव की घोषणा कर दी है। 19 जून को मतदान होगा, जबकि 23 जून को मतगणना होगी। भारत निर्वाचन आयोग ने रविवार को आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर चार राज्यों केरल, गुजरात, पंजाब और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव की घोषणा की है। ईसीआई ने बताया कि गुजरात के कादी (एससी) और विसावदर विधानसभा, केरल की निलंबूर, पंजाब की लुधियाना और पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होगा। चुनाव आयोग ने आगामी उपचुनाव का शेड्यूल जारी करते हुए बताया कि चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत 26 मई 2025 (सोमवार) को राजपत्र

अधिसूचना जारी होने के साथ होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 2 जून (सोमवार) तय की गई है, जबकि 3 जून (मंगलवार) को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। उम्मीदवार 5 जून (गुरुवार) तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। इसके बाद 19 जून 2025 (गुरुवार) को मतदान कराया जाएगा। मतदान के बाद 23 जून (सोमवार) को वोटों की गिनती होगी। चुनाव आयोग के अनुसार, 25 जून 2025 (बुधवार) तक पूरी चुनाव प्रक्रिया संपन्न कर ली जाएगी। यह उपचुनाव संबंधित क्षेत्र में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक माना जा रहा है। चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों और मतदाताओं से शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने की अपील की है। बता दें कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, सभी जगहों पर अलग-अलग पार्टियों की सरकारें हैं। बंगाल में टीएमसी, गुजरात में भाजपा, पंजाब में 'आप' और केरल में सीपीआई (एम) की सरकार है।

चुनाव- तारीख और दिन

राजपत्र अधिसूचना जारी होने की तारीखः 26 मई 2025 (सोमवार)
नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीखः 2 जून 2025 (सोमवार)
नामांकन पत्रों की जांच की तारीखः 3 जून 2025 (मंगलवार)
उम्मीदवारी वापस लेने की आखिरी तारीखः 5 जून 2025 (गुरुवार)
मतदान की तारीखः 19 जून 2025 (गुरुवार)
वोटों की गिनती की तारीखः 23 जून 2025 (सोमवार)
चुनाव प्रक्रिया पूरी होने की अंतिम तारीखः 25 जून 2025 (बुधवार)

रगों में सिंदूर की बात करने वाले मोदी बदज़ुबान नेताओं पर नहीं करते कार्रवाई-खड़गे

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और मंत्री पहलगाम मुद्दे पर सेना और शहीदों का अपमान कर रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय खामोश हैं। श्री खड़गे ने कहा 'भाजपा के नेताओं में पहलगाम के पीड़ितों और बहादुर सेना पर लांछन लगाने की होड़ चल रही है। भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा के शर्मनाक बयान से एक बार फिर आरएसएस भाजपा की ओछी मानसिकता को उजागर कर दिया। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने हमारी जाँबाज़ सेना का अपमान किया पर मोदी जी ने कोई कार्रवाई नहीं की। मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह ने हमारी वीर कर्नल पर भद्दी टिप्पणी की पर आज तक बर्खास्त नहीं हुए।' उन्होंने कहा 'जब पहलगाम में शहीद नौसेना ऑफ़िसर की पत्नी को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा था तब भी मोदी जी चुप थे। मोदी जी, आप कहते हैं कि आपकी रगों में सिंदूर है, अगर ऐसा

है तो आपको महिलाओं के सम्मान के लिए अपने इन बदज़ुबानी नेताओं को बर्खास्त करना चाहिए।' कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि भाजपा नेता लगातार सेना और शहीदों का अपमान कर रहे हैं जो उनकी ओछी मानसिकता को उजागर करते हैं।

'ऑपरेशन सिंदूर' का श्रेय मोदी को देने की होड़ में भाजपा करवा रही है सेना का अपमान : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) और उसके नेता नैतिकता को ताक पर रखकर 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देने की होड़ में बहादुर सेना तथा हमले के पीड़ितों को अपमानित कर रहे हैं लेकिन उन पर कोई करवाई नहीं हो रही है। महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा नेता एक के बाद एक पहलगाम हमले के पीड़ितों और सेना के खिलाफ बदज़ुबानी कर रहे हैं लेकिन श्री मोदी और भाजपा नेतृत्व उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।सुश्री लांबा ने कहा, भाजपा नेता 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का श्रेय श्री मोदी को देते हुए उनका गुणगान करके सेना और पीड़ितों को जिस तरह से अपमानित कर रहे हैं, ऐसा लगता है कि शीर्ष नेतृत्व से आदेश पाकर वे जहां मौका मिले ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय प्रधानमंत्री को दे रहे हैं और इस होड़ में भाजपा नेताओं की ज़ुबान बिगड़ गई है।' महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा,÷श्रेय देने की होड़ में भाजपा यानी बदज़ुबान पार्टी के नेता संयम खोते हुए अपनी भाषा भूल गए और सेना का अपमान करने लगे। इस कड़ी में बदज़ुबान पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने सेना के साथ शहीदों और उनके परिवार वालों का भी अपमान किया। भाजपा सांसद रामचंद्र जांगड़ा पहलगाम हमले में जान गंवाने वालों की पत्नियों को अपमानित करते हैं। भाजपा सांसद जांगड़ा का कहना है- पहलगाम हमले में जो शहीद हुए उनकी पत्नियों में वीरांगना जैसा भाव नहीं था, जोश नहीं था, जज्बा नहीं था। इसलिए हाथ जोड़ रही थीं, गिड़गिड़ा रही थीं।

हत्या के मामले में दो नाबालिगों को पकड़ा

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के बुराड़ी इलाके में दिनदहाड़े हुई एक नाबालिग की हत्या के मामले में क्राइम ब्रांच ने दो नाबालिगों को पकड़ा है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य गौतम ने बताया कि 22 मई को दो लड़कों ने मुकुंदपुर निवासी एक नाबालिग को चाकू से गोद डाला था। घटना के बाद घायल किशोर को अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में बुराड़ी थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच ने मामले की जांच शुरू की। इस बीच पुलिस टीम को सूचना मिली कि हत्या में शामिल आरोपित नाबालिग धौला कुआं इलाके में देखे गए हैं। सूचना को पुख्ता कर पुलिस ने जाल बिछाकर दोनों को पकड़ा। पूछताछ में आरोपितों ने अपना अपराध कबूल किया। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद किया। पूछताछ में सामने आया कि मृतक और आरोपित एक ही मोहल्ले के थे। दोनों के बीच पहले से आपसी विवाद था। मृतक ने आरोपितों को जान से मारने की धमकी दी थी। जिसका बदला लेने के लिए दोनों आरोपितों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी।

सरकारी अधिकारी बनकर बुजुर्ग महिला से वसूली करने वाला ठग गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिणी जिले के डिफेंस कॉलोनी थाना पुलिस ने खुद को सरकारी अधिकारी बताकर एक बुजुर्ग महिला से डेढ़ लाख रुपये की वसूली करने वाले आरोपित तौसीफ राजा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल बाइक, मोबाइल फोन और 28,500 नकद बरामद किए हैं। दक्षिण जिले के डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि 76 वर्षीय बुजुर्ग महिला डिफेंस कॉलोनी के डी-ब्लॉक में रहती हैं। उन्होंने 20 मई को पुलिस में शिकायत दी कि 9 मई को एक व्यक्ति उनके घर आया और खुद को बागवानी विभाग और एमसीडी का अधिकारी बताया। उसने नाली साफ न होने का हवाला देकर 50 हजार रुपये का चालान काटने और बिजली कनेक्शन काटने की धमकी दी। फिर मामले को रफा-दफा करने के लिए 25 हजार रुपये की मांग की। डर के मारे महिला ने उसे यह रकम दे दी। इसके बाद 13 मई को वह शख्स दोबारा आया और इस बार 50 लाख की मांग की। धमकी दी कि रकम न मिलने पर उनके बेटे की शादी में बाधा डालेगा। डर के चलते महिला के पति ने मोदी मिल फ्लाईओवर के पास उसे 1.5 लाख नकद दे दिए। रकम मिलने के बावजूद आरोपित धमकाता रहा। पुलिस ने पीड़िता के बयान पर केस दर्ज किया। डीसीपी के अनुसार एसएचओ संजय शर्मा की देखरेख में पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस टीम ने 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले, मोबाइल की कॉल डिटेल्स और तकनीकी सर्विलांस से आरोपित की पहचान कर उसे ओखला से दबोचा।

मकान में लगी आग, तीन झुलसे

नई दिल्ली। दिल्ली के लाहौरी गेट स्थित फर्श खाना इलाके में स्थित एक मकान में आग लग गई। खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस के अलावा दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंची। घटना में एक मासूम समेत तीन लोग झुलस गए हैं। पुलिस ने सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। दमकलकर्मियों ने एक घंटे के भीतर आग पर काबू पाया। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। अग्नि शमन विभाग के अनुसार तड़के साढ़े तीन बजे दमकल कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि फर्श खाना इलाके स्थित एक मकान में आग लग गई है। सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। घटना में तीन लोग झुलस गए। घायलों की पहचान अनस (13), अहमद (18) और शाहनवाज (30) के रूप में हुई है। दमकलकर्मियों ने एक घंटे के भीतर आग पर काबू पाया। दमकल अधिकारी के अनुसार आग ग्राउंड फ्लोर पर बिजली मीटर बोर्ड और एक बाइक में आग लगी थी। जिसके कारण 03 लोग झुलस गए। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

दिल्ली के बवाना औद्योगिक क्षेत्र में आग से प्लास्टिक फैक्टरी धू-धूकर जली, विस्फोट

नई दिल्ली। दिल्ली के बाहरी उत्तरी जिले के बवाना औद्योगिक क्षेत्र में आज सुबह एक प्लास्टिक फैक्टरी में आग लग गई। इस दौरान विस्फोट भी हुए। इससे फैक्टरी का कुछ हिस्सा भरभरा गया। इसमें अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग के अनुसार, सुबह करीब 4:50 बजे सूचना मिलते ही दमकल की 17 गाड़ियां भेजी गई। राहत और बचाव कार्य के दौरान

फैक्टरी में धमाका होने से फैक्टरी का कुछ हिस्सा गिर गया। फैक्टरी के आसपास आसमान पर धुआं का गुबार छा गया है। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। फिलहाल आग बुझाई जा रही है।

मेरी हर सांस में खेती और रोम-रोम में किसान बसे हैं - शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

नई दिल्ली, । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' की तैयारियां अब अपने अंतिम चरण में हैं। ओडिशा के पुरी स्थित श्री जगन्नाथ की पावन धरती से 29 मई को इस व्यापक अभियान का शुभारंभ होगा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का पूरा अमला राज्यों के सहयोग से इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है।

इसी कड़ी में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में पूसा कैंपस स्थित सुब्रहमण्यम हॉल में देशभर के कृषि वैज्ञानिकों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि मैं सत्ता के सुख के लिए कृषि मंत्री नहीं बना हूं, बल्कि किसानों की सेवा के लिए, उत्पादन बढ़ाने,

उत्पादन की लागत घटाने, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, देश में अन्न के भंडार भरने और भावी पीढ़ी के कृषि संबंधित हितों की रक्षा के लिए ही मेरा जीवन समर्पित है। उर्वरक का संतुलित प्रयोग, स्थानीय परिस्थिति, सही शोध जानकारी होने और अच्छे बीजों से किसान को उत्पादकता बढ़ाने में निश्चित तौर पर मदद मिल सकती है। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों, विभाग के अमले और किसानों को जोड़ने पर जोर देते हुए कहा कि इस अभियान के जरिए इसे पूरा करते हुए किसानों से जुड़ने की एक बड़ी कोशिश होने जा रही है। खेती हृदय और लगाव का विषय है। खेती को जिया जाता है। उन्होंने कहा, मेरी हर सांस में खेती और रोम-रोम में किसान बसे हैं। फसल के अच्छे और खराब होने पर भावनाएं जुड़ जाती हैं। सरकार की पूरी कोशिश कृषि अनुसंधान को आगे बढ़ाने की है। शोध और अनुसंधान के लिए हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में फंड की कमी नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान परिणाम उन्मूलक कार्यक्रम है, जिसका परिणाम इसी खरीफ सीजन में उत्पादन वृद्धि और उत्पादन लागत में कमी के रूप में जल्द ही हमारे सामने होगा। उन्होंने देश के वैज्ञानिकों से अपनी शोध क्षमता को वैश्विक स्तर पर सिद्ध करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि हमारे कृषि संस्थानों में बड़ी ताकत है, जिसका लोहा पूरी दुनिया मानेगी। केंद्रीय मंत्री ने वैज्ञानिकों के प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि इस अभियान के पूरा होने के बाद देश, वैज्ञानिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करेगा। यह अभियान 29 मई से 12 जून तक देशव्यापी स्तर पर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें वैज्ञानिकों की टीमें गांव-गांव जाकर किसानों से सीधे संवाद करेंगी।

दिल्ली पुलिस ने कुख्यात हिस्ट्रीशीटर मनप्रीत उर्फ काकू को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए कुख्यात हिस्ट्रीशीटर मनप्रीत उर्फ काकू को गिरफ्तार किया है। 29 वर्षीय मनप्रीत, मोहन गार्डन, उत्तम नगर का निवासी है और उस पर हत्या का प्रयास, डकैती, चोरी, हथियार तस्करी, धोखाधड़ी, साइबर अपराध और हमला जैसे 13 केस दर्ज हैं। वह चार मामलों में वांछित था, जिनमें दो में उसे उद्घोषित अपराधी (पीओ) और दो में गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया गया था। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा ने बताया कि यह ऑपरेशन उत्तरी रेंज-II की टीम ने सहायक आयुक्त नरेंद्र सिंह की देखरेख और इंस्पेक्टर संदीप तुशिर के नेतृत्व में अंजाम दिया। टीम में उप-निरीक्षक सतेंद्र, योगेश दहिया, परवीर सिंह, प्रधान सिपाही सिद्धार्थ ढाका, प्रदीप तोमर, अजय पाल, विनोद बजाड़, अश्वनी दहिया, संदीप संगरोहा, अजय, प्रदीप श्योकंद और महिला सिपाही रजनी शर्मा शामिल थे। पुलिस को सूचना मिली थी कि मनप्रीत लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। क्राइम ब्रांच ने तकनीकी और स्थानीय सूचनाओं के आधार पर उसकी तलाश शुरू की। कई दिनों तक छापेमारी के बाद, प्रधान सिपाही सिद्धार्थ ढाका को सूचना मिली कि मनप्रीत मोहन गार्डन में एक खास जगह पर आएगा। इसके बाद, पुलिस ने जाल बिछाकर उसे धर दबोचा। मनप्रीत के खिलाफ 2016 से 2024 तक 13 मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या का प्रयास (धारा 307), डकैती (धारा 392), चोरी (धारा 379), आर्म्स एक्ट, और साइबर अपराध (आईटी एक्ट) जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। वह 12वीं तक पढ़ा है और प्रॉपर्टी डीलर है। पुलिस ने बताया कि मनप्रीत जल्दी पैसा कमाना चाहता था। इसके कारण किशोरावस्था से ही अपराध की दुनिया में उतर गया।

चुनाव आयोग ने कानूनी सलाहकारों और सीईओ का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने आज अपने कानूनी सलाहकारों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य आयोग की कानूनी रूपरेखा को मजबूती देना और नई चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना करना है। सम्मेलन में यह ज़ोर दिया गया कि कानूनी प्रक्रिया विरोध की भावना के बजाय संवाद पर आधारित हो। सभी पक्षों को पर्याप्त सुनवाई का अवसर मिलना चाहिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने नई दिल्ली स्थित आईआईआईडीईएम में आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी भी उपस्थित रहे। दिनभर चले इस सम्मेलन में चुनाव कानून, न्यायिक प्रक्रिया और कानूनी सुधारों पर चर्चा हुई। आयोग ने अपनी कानूनी टीम की तैयारी, समन्वय और दक्षता को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया। इसका मकसद विभिन्न न्यायिक मंचों पर अपनी कानूनी प्रस्तुति को और प्रभावी बनाना है। सम्मेलन में सुप्रीम

कोर्ट और देश के 28 उच्च न्यायालयों और बेंच के वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने भाग लिया। इसके साथ ही सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 36 मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) और आयोग के अधिकारी भी मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त आयोग ने आईआईआईडीईएम में एक और सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें सभी सीईओ शामिल हुए। इस बैठक में आयोग की आईटी पहलों की योजना पर चर्चा की गई। चुनाव आयोग ने 2025 में एकीकृत डैशबोर्ड ईसीआईनेट विकसित करने की योजना शुरू की है। यह डैशबोर्ड सभी संबंधित डेटा को एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराएगा और ईसीआई की सभी आईसीटी पहलों को एक सूत्र में जोड़ेगा।

पहलगाम, पुंछ का दौरा करने वाले राहुल गांधी एकमात्र राष्ट्रीय नेता - पवन खेड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के दौरे और पाकिस्तान की ओर से हाल ही में सीमा पार से की गई गोलाबारी से प्रभावित परिवारों से मिलने के लिए सराहना की। पवन खेड़ा ने समाचार एजेंसी से कहा, जब पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ था, तब राहुल गांधी एकमात्र राष्ट्रीय नेता थे जो वहां गए। उन्होंने अस्पतालों का दौरा किया, विभिन्न नागरिक समाज समूहों से मुलाकात की और प्रभावित नागरिकों का हालचाल जाना। अब फिर से पुंछ में, जहां गोलाबारी के कारण निर्दोष नागरिकों की जान चली गई, जबकि उनकी कोई गलती नहीं थी, राहुल गांधी ने एकजुटता व्यक्त करने और उनका दर्द समझने के लिए उनसे मुलाकात की। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पुंछ सेक्टर में पाकिस्तान की तरफ से गोलाबारी बढ़

गई थी। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत 7 मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया था। यह ऑपरेशन 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के प्रतिशोध में किया गया था, जिसमें आतंकवादियों ने 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी थी। खेड़ा ने जोर दिया कि सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को विपक्ष के नेता राहुल गांधी के कार्यों से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, चाहे मणिपुर हो, पुंछ हो या पहलगाम - जहां भी नागरिक संकट का सामना करते हैं, राजनीतिक नेतृत्व को सहायता प्रदान करने और उनके घावों को भरने में मदद करने के लिए आगे आना चाहिए। विदेश मंत्री एस. जयशंकर की बर्लिन में परमाणु ब्लैकमेल के आगे न झुकने की हालिया टिप्पणी पर पवन खेड़ा ने कहा, ÷अगर हम प्रमुख वैश्विक शक्तियों को यह स्वीकार करने के लिए राजी नहीं कर पाते हैं कि पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना जारी रखता है, तो अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर जयशंकर जो कहते हैं, उसका कोई मतलब नहीं है। वह यहां सख्त बात करते हैं, लेकिन अमेरिका और चीन के सामने चुप रहते हैं।

दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश से जन जीवन अस्त-व्यस्त, जलभराव ने बढ़ाई मुसीबत

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई राज्यों में शनिवार-रविवार की रात तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने पहले ही इसे लेकर रेड अलर्ट जारी कर दिया था। कुछ घंटों की बारिश में ही दिल्ली के कई इलाकों में जबरदस्त जलभराव देखने को मिला। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को भी हल्की से तेज बारिश की संभावना है। अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री के आसपास रहने की उम्मीद है। वहीं, 18 किमी/घंटा या इससे अधिक तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। हालांकि, सोमवार से फिर से तापमान में वृद्धि देखने को मिलेगी। 26 मई से जून के पहले सप्ताह तक बारिश की संभावना कम जताई गई है। आने वाले दिनों में तापमान का पारा अधिकतम 40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार- रात सिर्फ दिल्ली ही नहीं बल्कि गोवा, महाराष्ट्र, पूर्वोत्तर भारत

के राज्य, लद्दाख में भी बारिश हुई है। रविवार को तमिलनाडु के कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली, तेनकासी, थेनी, तिरुप्पुर, कोयम्बटूर और नीलगिरी जिलों में एक या दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ हल्की आंधी और बिजली गिरने की संभावना है। दूसरी ओर, शनिवार-रविवार मध्यरात्रि हुई भारी बारिश के चलते दिल्ली, फरीदाबाद-नोएडा, गाजियाबाद में भी जलभराव की समस्या बनी। वसंत कुंज, आईटीओ, मिंटो ब्रिज, कनॉट प्लेस और हुमायूं रोड जैसे स्थान जलमग्न हो गए। दिल्ली के कई हिस्सों से ऐसी तस्वीरें भी सामने आई, जहां कार पानी में डूबी नजर आई। दिल्ली एयरपोर्ट पर घने बादल, तेज हवाएं और सीमित विजिबिलिटी के चलते टेकऑफ और लैंडिंग दोनों प्रभावित हुए हैं। एयरपोर्ट पर कई फ्लाइट्स देरी से संचालित की गई। दिल्ली एयरपोर्ट की ओर से रविवार को एक्स पोस्ट में लिखा गया कि दिल्ली में खराब मौसम की वजह से उड़ानों का परिचालन अस्थायी रूप से प्रभावित हुआ है। इसीलिए, यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी फ्लाइट के स्टेटस जांच करते रहें, जिससे उन्हें समस्या न हो।

दिल्ली के शाहदरा में ई-चार्जिंग स्टेशन में लगी आग, चपेट में आने से दो की मौत; चार लोग झुलसे

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के शाहदरा में ई-चार्जिंग स्टेशन में आग लग गई। आग की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग झुलस गए। झुलसे लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची दमकल विभाग ने आग पर काबू पाया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह करीब 6.40 मिनट पर दमकल विभाग को शाहदरा के मोती राम रोड पर राम मंदिर के पास ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं। 400 वर्ग गज के टिन शेड के नीचे ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन में भीषण आग लगी थी। आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए गए। दिल्ली अग्निशमन विभाग के अनुसार, दो जले हुए शव मिले है।

चार लोगों का जीटीबी अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। इस पहले भी पिछले सप्ताह भी शाहदरा इलाके के फर्श बाजार में ई रिक्शा चार्ज करने के दौरान आग लगी थी। इस दौरान एक महिला की मौत हो गई थी जबकि पांच लोग घायल हुए थे।

नीति आयोग 10वीं गवर्निंग काउंसिल बैठक में 'विकसित भारत' पर जोर, ऑपरेशन सिंदूर को सर्वसम्मति से समर्थन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित 10वीं नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल बैठक में 'विकसित राज्य से विकसित भारत' की अवधारणा को केंद्र में रखते हुए कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर गहन चर्चा हुई।

बैठक में सभी भागीदार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को पूरी एकता के साथ समर्थन दिया। बैठक के बाद नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में तीन क्षेत्रों कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष बल दिया और राज्यों से आग्रह किया कि वे इन क्षेत्रों में संरचनात्मक सुधार और दीर्घकालिक योजनाएं बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है और 'अब एक निर्णायक विकास यात्रा पर निकलने का समय है।' सुब्रह्मण्यम ने बताया कि 36 में से 31 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने बैठक में भाग लिया, जो अब तक की सबसे अधिक भागीदारी है। उन्होंने कहा कि यह दर्शाता है कि प्रतिनिधि एक सकारात्मक सोच के साथ आए थे। कर्नाटक, केरल, पश्चिम बंगाल, बिहार और पुडुचेरी के मुख्यमंत्री

बैठक में शामिल नहीं हुए। पिछले वर्ष प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए 'विकसित राज्य' विज़न डॉक्युमेंट्स की परिकल्पना–जैसे 'विकसित बिहार', 'विकसित ओडिशा' आदि–को आगे बढ़ाते हुए इस बैठक में राज्यों को अपने-अपने विकास रोडमैप को राष्ट्रीय दृष्टिकोण से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान 'ऑपरेशन सिंदूर' के समर्थन में पूरी सहमति देखने को मिली। सीईओ सुब्रह्मण्यम ने इसे एक दुर्लभ उदाहरण बताया जब सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने बिना किसी मतभेद के एक साझा निर्णय पर सहमति जताई। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने इस बात को रेखांकित किया कि यह बैठक आयोग की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री के इस विचार को दोहराया कि पिछले वर्षों में इस मंच ने सहमति निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसने सरकार की विभिन्न उपलब्धियों में योगदान दिया।

आईपीयू काउंसलिंग में बड़ी राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) ने इस बार काउंसलिंग प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। आईपीयू ने काउंसलिंग के लिए अलग से कोई फीस नहीं लेने का फैसला किया है। विश्वविद्यालय ने एक बयान में साफ किया कि नई व्यवस्था के तहत आवेदन के समय ही आवेदकों से आवेदन शुल्क और काउंसलिंग भागीदारी शुल्क के रूप में एकमुश्त 2500 रुपये लिए गए हैं। इसलिए अलग से काउंसलिंग भागीदारी शुल्क जमा करने की कोई आवश्यकता नहीं है। इस नई व्यवस्था से छात्रों का अतिरिक्त समय बचेगा, जो पहले काउंसलिंग शुल्क के भुगतान में लगता था। अब छात्र सीधे विकल्प चयन में भाग ले सकेंगे और परिणाम प्राप्त कर सकेंगे।

आईपीयू काउंसलिंग प्रक्रिया ऑनलाइन मोड में आयोजित की जाएगी। छात्रों को अपने विकल्प चुनने और परिणाम प्राप्त करने के लिए आईपीयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा।

महत्वपूर्ण जानकारी

- आईपीयू काउंसलिंग प्रक्रिया के दौरान छात्रों को अपने विकल्प चुनने और परिणाम प्राप्त करने के लिए आईपीयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा।
- एनएलटी आधारित प्रोग्राम में दाखिले के इच्छुक उम्मीदवार जो

अभी तक आवेदन नहीं कर पाए हैं, वे संबंधित प्रोग्राम की काउंसलिंग के दौरान आवेदन शुल्क और काउंसलिंग भागीदारी शुल्क के रूप में 2500 रुपये एक साथ जमा कर सकते हैं।

नीति आयोग की बैठक में हर घर नल योजना और यमुना के मुद्दे पर भी हुई चर्चा: रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता यहां के भारत मंडपम में आयोजित नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल की बैठक में शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि बैठक में हर घर नल योजना और यमुना के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। सभी संबंधित राज्यों ने यमुना के मुद्दे पर सहयोग करने की बात कही है। मुख्यमंत्री गुप्ता ने बैठक के बाद पत्रकारों को बताया कि दिल्ली में नए पर्यटक स्थलों को विकसित करने पर भी बात हुई। उन्होंने आम आदमी पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि पिछली सरकार ने इन बैठकों में शामिल न होकर दिल्ली का बहुत नुकसान किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बैठक में उपस्थित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने एक स्वर में ऑपरेशन सिंदूर और सेना की प्रशंसा की। मुख्यमंत्रियों ने सेना और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि नीति आयोग की बैठक में सहभागिता कर प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में राज्यों की भूमिका पर विस्तृत चर्चा हुई। विकसित भारत की परिकल्पना

को साकार करने में दिल्ली की भूमिका केवल सहायक नहीं, बल्कि प्रेरणास्पद और नेतृत्वकारी स्तंभ के रूप में स्थापित करने के लिए हम पूर्णतः संकल्पबद्ध हैं। यह महज विकास की योजना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सपनों, संभावनाओं और सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक राष्ट्रीय अभियान है। इसका हिस्सा बनना हम सभी के लिए गौरव का विषय है। दिल्ली अब प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में विकास की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

दिल्ली में मेगा अभियान के तहत 3,500 किलोमीटर सड़कें साफ की गईं - सीएम रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि 'मेगा स्वच्छता अभियान' के तहत एमसीडी ने 3,500 किलोमीटर से अधिक सड़कों की सफाई की, जिसमें सबसे अधिक सफाई रोहिणी क्षेत्र में की गई। एमसीडी द्वारा जारी प्रगति रिपोर्ट पर उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान अतिक्रमण और गंदगी के खिलाफ मुहिम चलाई गई। अभियान के दौरान कुल 11,131 चालान जारी किए गए, जिसमें सबसे अधिक 2,994 चालान पश्चिमी जोन में किए गए। इसके अतिरिक्त, 5,932 अवैध सामग्री जब्त की गई और 186.5 किलोमीटर सड़कों को अतिक्रमण से मुक्त किया गया। 20 दिवसीय यह 'मेगा स्वच्छता अभियान' एमसीडी के सभी 12 जोन में चलाया गया, जिसमें सफाई, अतिक्रमण हटाने और चालान काटने जैसे प्रमुख कार्य शामिल थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार की 'स्वच्छ दिल्ली' पहल को राजधानी के नागरिकों से जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। एमसीडी द्वारा जारी नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि यह व्यापक स्वच्छता अभियान जमीनी स्तर पर उल्लेखनीय परिणाम दे रहा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर दिल्ली ही विकसित दिल्ली का मार्ग है। एमसीडी द्वारा जारी जोनवार रिपोर्ट स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि हमारी सरकार द्वारा शुरू किया गया अभियान न केवल सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है, बल्कि लोगों की जीवनशैली में भी सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने आगे बताया कि इस अभियान के तहत दिल्ली के 12 जोन (करोल बाग, सिटी एसपी, वेस्ट जोन, साउथ, सिविल लाइंस, सेंट्रल जोन, शाहदरा साउथ, शाहदरा नॉर्थ, नजफगढ़, नरेला, रोहिणी और केशव पुरम) में व्यापक सफाई और प्रबंधन गतिविधियां संचालित की गईं। इसके साथ ही, 'मेगा स्वच्छता अभियान' के तहत पूरे दिल्ली में एमसीडी के नालों की बड़े पैमाने पर सफाई की गई, जिससे मानसून के मौसम में जलभराव की समस्या से निपटने में काफी मदद मिलेगी। अब तक कुल 19,892.38 मीट्रिक टन गाद निकाली जा चुकी है, जो एक बड़ी उपलब्धि है।

कांग्रेस के विरोध के बाद भी मोदी के खास

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की केंद्र सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ अपने सख्त रुख को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से रखने के लिए एक बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया है। इस रणनीति के तहत भारत सरकार ने एक के बाद एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल गठित कर दुनिया के उन देशों की यात्रा की योजना बनाई है जो या तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य हैं या फिर भारत के रणनीतिक सहयोगी माने जाते हैं। इन प्रतिनिधिमंडलों का उद्देश्य न केवल भारत के पक्ष को वैश्विक समुदाय के सामने स्पष्ट करना है, बल्कि यह दिखाना भी है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत की राजनीतिक व्यवस्था पूरी तरह एकजुट है। लेकिन इस राष्ट्रहित की कवायद के बीच एक ऐसा विवाद खड़ा हो गया है जिसने न सिर्फ कांग्रेस पार्टी के भीतर बहस को जन्म दे दिया है बल्कि केंद्र और विपक्ष के रिश्तों में भी खटास बढ़ा दी है। विवाद की जड़ में कांग्रेस सांसद शशि थरूर का नाम है जिन्हें केंद्र सरकार ने बिना कांग्रेस नेतृत्व की सिफारिश के एक प्रतिनिधिमंडल में शामिल कर लिया। जबकि कांग्रेस का दावा है कि उसने अपनी तरफ से चार वरिष्ठ सांसदों के नाम सरकार को भेजे थे, जिनमें से किसी को भी नहीं चुना गया। कांग्रेस का यह भी आरोप है कि सरकार ने अपनी मनमर्जी से शशि थरूर को चुना और उन्हें प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सौंप दिया। वहीं, केंद्र सरकार के संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस से कोई औपचारिक नाम नहीं मांगे गए थे, बल्कि जो जानकारी दी गई थी, वह केवल सूचनात्मक थी, कोई आग्रह नहीं। कांग्रेस इस सफाई से संतुष्ट नहीं है और उसका मानना है कि सरकार ने जानबूझकर कांग्रेस को दरकिनार किया और शशि थरूर को शामिल कर सियासी संदेश देने की कोशिश की।

यह पहला मौका नहीं है जब शशि थरूर की कांग्रेस नेतृत्व से टकराव की स्थिति सामने आई है। इससे पहले भी वे विदेश राज्य मंत्री रहते हुए ह्यकैटल क्लासह्न जैसे ट्वीट की वजह से विवादों में आए और उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव में खड़े होने के बाद से तो पार्टी के भीतर उन्हें शक की नजर से देखा जाने लगा। लेकिन इन सबके बावजूद शशि थरूर की एक अलग पहचान है एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभवी राजनयिक की, जो संयुक्त राष्ट्र में 30 साल से ज्यादा समय तक अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनकी वाक्पटुता, कूटनीतिक समझ और वैश्विक मंचों पर प्रभावशाली उपस्थिति ने उन्हें न केवल भारत बल्कि विदेशों में भी विशिष्ट पहचान दिलाई है। शशि थरूर ने खुद को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किए जाने पर खुशी और गर्व का इजहार किया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि वे भारत सरकार के इस आमंत्रण से सम्मानित महसूस कर रहे हैं और जब भी राष्ट्रीय हित की बात होगी, वे पीछे नहीं रहेंगे। उन्होंने किसी तरह की पार्टी अनुमति की आवश्यकता नहीं समझी, जो कांग्रेस नेताओं को खटक गया। पार्टी नेतृत्व का यह मानना है कि थरूर को पहले नेतृत्व से राय लेनी चाहिए थी, लेकिन शायद थरूर को खुद ही इस बात की आशंका थी कि यदि वे अनुमति मांगते तो उन्हें मना कर दिया जाता। ऐसे में उन्होंने खुद ही निर्णय लेना उचित समझा, खासकर तब जब उन्हें केंद्र सरकार की तरफ से प्रतिनिधित्व का प्रस्ताव मिला। शशि थरूर की इस भूमिका से न केवल बीजेपी को लाभ मिल रहा है बल्कि खुद थरूर की राजनीतिक हैसियत भी बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब संसद में विदेश नीति पर बोलते हुए कांग्रेस पर हमला करते हैं, तब वे विशेष रूप से यह कहते हैं कि शशि थरूर इस दायरे से बाहर हैं। ऐसे में स्वाभाविक है कि कांग्रेस को यह चुभेगा। वहीं, बीजेपी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने भी थरूर की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी विदेश नीति की समझ और संयुक्त राष्ट्र में उनके अनुभव से कोई इनकार नहीं कर सकता। फिर कांग्रेस ने उन्हें क्यों नहीं चुना? क्या यह राहुल गांधी की असुरक्षा की भावना है? यह सवाल बीजेपी के माध्यम से आम जनमानस के बीच भी फेंका गया है, जो कांग्रेस के लिए चिंता का विषय है। कांग्रेस की तरफ से जिन चार सांसदों के नाम सुझाए गए थे उनमें आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, डॉ. सैयद नसीर हुसैन और राजा ब्रार शामिल थे। आनंद शर्मा पूर्व विदेश राज्य मंत्री रह चुके हैं, गौरव गोगोई लोकसभा में कांग्रेस के डिप्टी लीडर हैं और राहुल गांधी के करीबी माने जाते हैं। वहीं, राजा ब्रार और नसीर हुसैन को लेकर भी राजनीतिक विवाद जुड़ा रहा है। राजा ब्रार पर खालिस्तानी समर्थक गायकों के समर्थन का आरोप लगा है और नसीर हुसैन की एक रैली में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगने की घटना भी विवाद का कारण बनी थी। ऐसे में शशि थरूर का नाम इनमें से अधिक उपयुक्त और अंतरराष्ट्रीय छवि वाला नजर आता है। दरअसल, कांग्रेस को इस बात की तकलीफ है कि एक ऐसा नेता जो पार्टी के भीतर लगातार उपेक्षा का शिकार रहा है, आज राष्ट्रीय मंच पर केंद्र सरकार द्वारा प्रतिष्ठित किया जा रहा है। यह बात कांग्रेस के नेतृत्व को असहज कर रही है।

हालांकि पार्टी के कुछ नेता यह मानते हैं कि थरूर की राय और सोच भले ही अलग हो, लेकिन पार्टी को उन्हें अपने साथ बनाए रखना चाहिए क्योंकि उनका अंतरराष्ट्रीय अनुभव और बौद्धिक क्षमता कांग्रेस के लिए ताकत बन सकती है। कांग्रेस की कार्यसमिति की बैठक में हालांकि कुछ नेताओं ने यह भी कहा कि थरूर ने पार्टी की लक्ष्मण रेखा पार कर ली है और अब उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए, लेकिन फिलहाल कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। एक ओर कांग्रेस थरूर के खिलाफ कार्रवाई करने की स्थिति में नहीं है, तो दूसरी ओर वह उन्हें खुला समर्थन भी नहीं दे पा रही है। यह दुविधा कांग्रेस नेतृत्व के भीतर चल रही अंदरूनी खींचतान और सत्ता संरचना की अस्थिरता को दर्शाती है। शशि थरूर एक ऐसे नेता हैं जो पार्टी लाइन से इतर राय रखने की हिम्मत करते हैं और अपनी बातों को खुले मंच पर रखते हैं। यही बात उन्हें विशिष्ट बनाती है और शायद यही बात कांग्रेस नेतृत्व को चुभती भी है। इस पूरे प्रकरण का एक और पहलू यह है कि थरूर को केरल में होने वाले अगले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर भी केंद्र सरकार ने आगे किया है। केरल में कांग्रेस के लिए हर सीट महत्वपूर्ण है, और वायनाड से राहुल गांधी के सांसद होने के कारण इस राज्य की राजनीतिक गतिविधियों पर पार्टी विशेष नजर रखती है। शशि थरूर तिरुवनंतपुरम से सांसद हैं और उनकी लोकप्रियता के चलते बीजेपी को लगता है कि उनके माध्यम से केरल में एक वैकल्पिक नैरेटिव खड़ा किया जा सकता है।

यदि थरूर को कांग्रेस में उचित सम्मान और भूमिका नहीं दी गई तो यह संभावना बन सकती है कि वे किसी भी समय पार्टी छोड़ दें या कम से कम एक स्वतंत्र रुख अख्तियार कर लें, जो कांग्रेस के लिए राजनीतिक रूप से नुकसानदायक साबित होगा। शशि थरूर के पास इस वक्त अपने राजनीतिक जीवन को नई दिशा देने का पूरा अवसर है। वो न तो कांग्रेस के लिए पूरी तरह विश्वसनीय रहे हैं, न ही बीजेपी के लिए आज्ञाकारी। लेकिन यही स्थिति उन्हें खास बनाती है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि थरूर जैसे नेता पार्टी की विविधता और बौद्धिक गहराई का प्रतीक हैं। यदि उन्हें दरकिनार किया जाता है तो इससे न केवल पार्टी की छवि को नुकसान होगा, बल्कि ऐसे नेताओं के बीच भी निराशा बढ़ेगी जो विचार और विवेक के आधार पर राजनीति करना चाहते हैं।

अब देखना यह है कि कांग्रेस इस चुनौती से कैसे निपटती है। क्या वह शशि थरूर को उनके हाल पर छोड़ देगी, या फिर उन्हें पार्टी के भीतर सम्मानजनक भूमिका देकर संतुलन साधेगी? केंद्र सरकार की रणनीति तो साफ है विपक्ष के प्रभावशाली नेताओं को अलग-थलग करना, उन्हें राष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठा देना और इससे विपक्ष के भीतर मतभेद को और गहरा करना। कांग्रेस यदि समय रहते नहीं चेती, तो यह मामला सिर्फ शशि थरूर तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पार्टी के भीतर असंतोष और टकराव को और गहरा कर देगा। राजनीति में प्रतीकात्मक घटनाओं का बड़ा महत्व होता है, और शशि थरूर की यह नियुक्ति भी आने वाले समय में भारतीय राजनीति के समीकरणों को प्रभावित कर सकती है।

संपादक की कलम से

एचआईवी संक्रमण से मुक्ति की जंग अब भी अधूरी

आज जब दुनिया स्वास्थ्य सुरक्षा, जैविक आपदाओं और महामारी नियंत्रण के नए अध्यायों से गुजर रही है। आज यदि एक प्रभावी एड्स वैक्सीन विकसित होती है और भारत तक उसकी पहुँच सुनिश्चित होती है, तो इसके बहुआयामी सकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं। भारत में लगभग चौबीस लाख लोग एचआईवी से संक्रमित हैं, जिनमें से अनेक ग्रामीण, आर्थिक रूप से कमजोर और सामाजिक रूप से वंचित वर्गों से हैं। वैक्सीन उपलब्ध होने से संक्रमण दर में नाटकीय गिरावट संभव है, जिससे स्वास्थ्य तंत्र पर बोझ घटेगा, जीवन प्रत्याशा बढ़ेगी और सामाजिक-आर्थिक विकास को गति मिलेगी। विशेषकर वाणिज्यिक यौनकर्मियों, ट्रांसजेंडर समुदाय, समलैंगिक पुरुषों और नशे की लत के शिकार व्यक्तियों जैसे उच्च जोखिम वाले समूहों को दीर्घकालिक संरक्षण प्राप्त होगी। यह वैक्सीन केवल स्वास्थ्य संकट का समाधान नहीं होगी, बल्कि यह सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम होगी।

कोविड महामारी के अनुभव ने यह सिखाया कि जब विज्ञान, सरकार और समाज एक साथ मिलकर कार्य करते हैं, तो असंभव भी संभव हो सकता है। मात्र एक वर्ष में कोविड की वैक्सीन बन गई, जबकि एचआईवी जैसी महामारी को चार दशक बीत जाने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी टीका नहीं मिल सका है। यह तुलना यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या एचआईवी से जुड़ी वैक्सीन अनुसंधान को वह राजनीतिक इच्छाशक्ति, आर्थिक संसाधन और जन समर्थन मिला जो कोविड के मामले में मिला था?

ग्रामीण क्षेत्रों, अशिक्षित जनसमूह और ट्रांसजेंडर समुदाय जैसे संवेदनशील वर्ग आज भी भेदभाव, कुप्रचार और अज्ञानता का शिकार हैं। यह वायरस शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर देता है, जिससे सामान्य बीमारियां भी जानलेवा साबित हो सकती हैं। यदि समय रहते इसका पता न चले और इलाज न हो, तो एड्स होने पर जीवन की संभावना कम हो जाती है। साथ ही, यह संक्रमण असावधान यौन संबंध, संक्रमित सुई का उपयोग, और रक्त संचरण के जरिए तेजी से फैल सकता है। इसलिए एड्स एक ऐसी बीमारी है जिसका खतरा अभी भी कम नहीं हुआ है, और इसके प्रसार को रोकने के लिए सतत जागरूकता, सुरक्षित व्यवहार, और अनुसंधान की जरूरत है । आज के डिजिटल युग में जहां सूचना की पहुंच आसान हो गई है, वहीं एड्स से जुड़ी भ्रांतियां और कलंक अब भी मिट नहीं सके हैं। यही वह मानसिक दीवारें हैं जिन्हें तोड़ना, एक प्रभावी वैक्सीन की खोज से भी ज्यादा जरूरी हो चला है। आज के युवा जागरूक, तकनीकी रूप से सशक्त और सामाजिक रूप से अधिक संवेदनशील हैं। उन्हें स्कूलों, कॉलेजों और सोशल मीडिया मंचों पर एचआईवी के बारे में खुलकर संवाद करना चाहिए। सुरक्षित यौन व्यवहार, नियमित जांच और संक्रमितों के साथ करुणामय व्यवहार को सामान्य बनाना होगा। यही वह सामाजिक आधार होगा जिस पर कोई भी वैक्सीन कार्यक्रम सफल हो सकता है ।

आज के परिप्रेक्ष्य में, जब भारत वैश्विक जैव-प्रौद्योगिकी केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, यह बेहद आवश्यक है कि सरकार और नीति-निमार्ता एचआईवी वैक्सीन अनुसंधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और इसके लिए पर्याप्त वित्तीय सहायता सुनिश्चित करें। इसके साथ ही जनस्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाना होगा ताकि बेहतर परीक्षण, उपचार और रोकथाम की सुविधाएं हर स्तर पर उपलब्ध हो सकें। विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित वर्गों तक स्वास्थ्य शिक्षा और संसाधनों की सहज पहुँच सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है, ताकि वे भी समय पर जानकारी और सहायता प्राप्त कर सकें। साथ ही, एड्स से जुड़े सामाजिक कलंक और भेदभाव को मिटाने के लिए व्यापक राष्ट्रीय जन जागरण अभियान चलाना होगा, जिससे समाज में समावेशन और संवेदनशीलता बढ़े तथा संक्रमितों को सम्मान और सहयोग मिल सके।आम आदमी से अपेक्षा की जाती है। कि वह एड्स से जुड़े मिथकों और भ्रांतियों को दूर करने में सक्रिय भूमिका निभाए। वे सही जानकारी प्राप्त करके अपने परिवार और समाज में जागरूकता फैलाएं, सुरक्षित यौन व्यवहार अपनाएं और समय-समय पर एचआईवी परीक्षण करवाएं। साथ ही, एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के प्रति सहानुभूति और सम्मान बनाए रखें, उनके साथ भेदभाव या कलंक से बचें। सोशल मीडिया और अपने परिचितों के बीच सही संदेश फैलाकर वे इस बीमारी के खिलाफ सामूहिक लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। यही सहयोग और समझदारी ही एड्स मुक्त समाज के निर्माण की नींव रख सकती है। आज के युग में, जब विज्ञान ने चमत्कार करने की क्षमता दिखाई है, तब यह और जरूरी हो गया है कि हम एचआईवी वैक्सीन पर जन-ध्यान केंद्रित करें।यदि हम आज निर्णय लें कि भविष्य एड्स-मुक्त होना चाहिए, तो विज्ञान, समाज और शासन झ्र तीनों मिलकर वह भविष्य रच सकते हैं।

आरक्षण: पीढ़ीगत विशेषाधिकार या वास्तविक न्याय?

डॉ सत्यवान सौरभ

भारत में आरक्षण का मुद्दा हमेशा से एक संवेदनशील और विवादास्पद विषय रहा है। यह सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और ऐतिहासिक उत्पीड़न के निवारण का एक महत्वपूर्ण उपकरण माना जाता है। परंतु जैसे-जैसे समय बीतता गया, आरक्षण की अवधारणा अपने मूल उद्देश्यों से भटकती प्रतीत होती है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस बी.आर. गवई का बयान इस बहस को एक नई दिशा में ले जाता है, जिसमें उन्होंने कहा कि संपन्न लोगों को आरक्षण से बाहर करने का निर्णय संसद को करना चाहिए। उनका यह कथन कई सवाल खड़े करता है झ्र क्या आरक्षण का वास्तविक लाभ उस वर्ग तक पहुंच रहा है जिसके लिए यह बनाया गया था? क्या यह व्यवस्था अब सुधार और पुनर्विचार की मांग करती है?

आरक्षण का मूल उद्देश्य

आरक्षण का आरंभ भारतीय समाज में व्याप्त गहरी सामाजिक असमानताओं को समाप्त करने और सदियों से वंचित समुदायों को मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य से हुआ था। यह एक ऐसा साधन था जिससे सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक पिछड़ेपन को दूर कर समाज के सभी वर्गों को समान अवसर मिल सके। संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर ने आरक्षण को एक अस्थायी उपाय के रूप में प्रस्तुत किया था, ताकि दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों को न्याय और अवसर मिल सके। उनका उद्देश्य एक ऐसे समाज का निर्माण करना था जहाँ जातीय भेदभाव और सामाजिक उत्पीड़न का कोई स्थान न हो। यह केवल सरकारी नौकरियों और शिक्षा तक सीमित नहीं था, बल्कि एक समग्र सामाजिक सुधार की दिशा में एक साहसिक कदम था। लेकिन, धीरे-धीरे यह व्यवस्था उन परिवारों के लिए एक पीढ़ीगत विशेषाधिकार बनती जा रही है जो पहले ही सशक्त हो चुके हैं। न्यायमूर्ति गवई का यह कहना कि जब एक व्यक्ति कअर या कद्धर बन जाता है, तो उसके बच्चे उसी समाज की कठिनाइयों का सामना नहीं करते हैं, एक महत्वपूर्ण सत्य की ओर इशारा करता है। एक अधिकारी का परिवार उच्च शिक्षा, बेहतर जीवनशैली और संसाधनों तक सहज पहुंच के कारण वास्तविक वंचितों से कोसों दूर हो जाता है।

राष्ट्र के सम्मान को आहत करता विजय का बयान

नरेंद्र तिवारी

मध्यप्रदेश सरकार के जनजातीय कार्य विभाग मंत्री विजय शाह का बयान देश की राष्ट्रीय अस्मिता को कलंकित करने वाला है, राष्ट्र के सम्मान को आहत करने वाला है, जिस भारतीय सेना की कर्नल सौफिया कुरैशी ने आपरेशन सिंदूर के दौरान राष्ट्र का मस्तक ऊँचा उठाया हो, ऐसे सैन्य अधिकारी के खिलाफ सार्वजनिक मंच से अपने बयान मे उन्हें आंतकवादियों की बहन बताने का जो घृणित पाप किया है, वह पुरे देश को आहत कर गया। जब राष्ट्र आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान मे जाकर आंतकवादियों की पनाहगाहों को नेस्तनाबूत करने का जश्न मना रहा था, राष्ट्र की बेटी कर्नल सौफिया कुरैशी ने जब दुनियाँ को भारत के सधे कदमों से आंतकवाद के खिलाफ सैन्य कार्यवाही से अवगत कराया तब सारे भारत का मस्तक गर्व से ऊँचा उठ गया था, सौफिया व्योमिका की जुगलबंदी आपरेशन सिंदूर के घटनाक्रमों से देश दुनियाँ को अवगत करा रहे थे, भारत इस दौरान अपनी राष्ट्रीय एकता के दर्शन से भी दुनियाँ को वाकिफ करा रहा था। भारत की इस बेटी कर्नल सौफिया के विरुद्ध एमपी सरकार के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री, 8 बार के विधायक विजय शाह का बयान शर्मसार करने वाला है, इस मंत्री ने अपने भाषण मे कर्नल सौफिया कुरैशी पर जो टिप्पणी की है वह देश को नागवार गुजरी सोशल मिडिया पर मंत्री के इस बयान की कढ़ी आलोचना देखने को मिली। एमपी की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने इस पर अपनी सख्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा विजय शाह की मंत्री पद से बर्खास्तगी एवं एफआईआर तुरंत होना चाहिए क्योंकि उन्होंने पुरे देश को लज्जित किया है। प्रदेश मे कांग्रेस संगठन ने भी मुखर विरोध दर्ज कराया तथा एफआईआर और बर्खास्तगी की मांग करते हुए शाह के बयान को राष्ट्र विरोधी बताया।

मप्र हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर मंत्री विजय शाह के विरुद्ध सख्त टिप्पणी करते हुए एफआईआर दर्ज कराने को लेकर डीजीपी को निर्देशित किया, बुधवार रात एमपी के मानपुर थाने मे विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गयी। एफआईआर के बाद प्रदेश ही नहीं सम्पूर्ण देश से एक स्वर मे मंत्री विजय शाह की बर्खास्तगी की मांग की जा रही है, बदजुबान मंत्री सुप्रीम कोर्ट की कठोर टिप्पणीयों के उपरांत भी मंत्री अपने पद पर बने हुए है। प्रदेश सरकार भी सख्त रुख नहीं अपना पा रही है।

अपनी बदजुबानी के लिये कुख्यात मंत्री विजय शाह ने सावजनिक मंच से जो कहा वह एक संवैधानिक पद पर बैठे प्रदेश के मंत्री को शोभा नहीं देता। उनकी टिप्पणी सेना और राष्ट्र के मनोबल को कमजोर करने वाली है, ऐसे समय जब भारत देश आंतकवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ रहा हो तब प्रदेश के किसी मंत्री का उक्त बयान असहनीय, पीड़ादायी और राष्ट्रविरोधी माना जाना चाहिए। होना तो यह चाहिए था की मंत्री के बयान के तुरंत बाद प्रदेश की सरकार के मुखिया ने उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराना चाहिए थी, उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त किया जाना चाहिए था। किंतु प्रदेश की सरकार ने रिपोर्ट दर्ज कराने का साहस नहीं दिखाकर जनभावना का अपमान किया है। जनभावना को समझकर राष्ट्रीय एकता और संवैधानिक प्रावधानों की रक्षार्थ मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने स्वतः सज्ञान लेकर प्रदेश के डीजीपी को तुरंत प्राथमिकी दर्ज कराने का सख्त निर्देश दिया। देश के सुप्रीम कोर्ट ने भी एमपी के उच्च न्यायालय के आदेश को उचित मानते हुए मंत्री को फटकार लगाई। मप्र उच्च न्यायालय के निर्देश के पालन मे मानपुर थाने मे एफआईआर दर्ज की गयी। एमपी हाई कोर्ट का उक्त आदेश सम्पूर्ण भारतवासियों के मन मे न्यायपालिका के प्रति विश्वास बढ़ाने वाला प्रतीत हो रहा है।आपरेशन सिंदूर के दौरान मध्यप्रदेश के नागरिक इसलिए भी गौरव से भरे हुए थे, जब उन्हें यह सूचना मिली की आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना द्वारा आंतकवादियों की शरणस्थली पाकिस्तान मे जाकर आंतक के ठिकानों को बर्बाद कर दिया गया है।

सीमित युद्ध से भारत को सीखने होंगे कई सबक

– जगदीश रत्तनानी

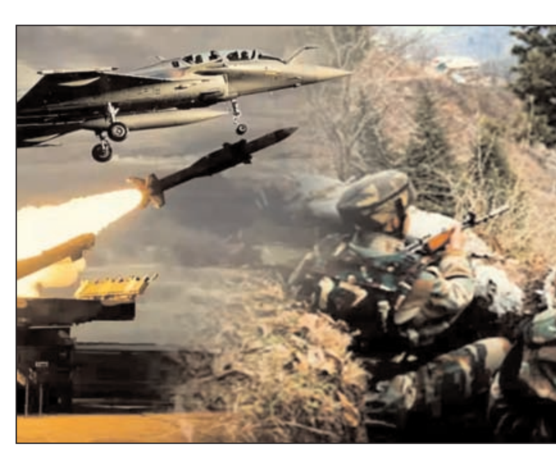

आज समझदारी इसी में है कि युद्ध के कोहरे के बीच क्या सही या गलत हुआ, इस बाबत सभी बाहरी दावों और प्रतिदावों को त्याग दिया जाए। समाचार मीडिया एंकरों और स्व-घोषित अति-राष्ट्रवादियों ने कई (ज्यादातर झूठे) दावे कर गड़बड़ कर दी है। सरकार समर्थक मीडिया ने अपने आकाओं की सेवा में काल्पनिक दावों की ऐसी झड़ी लगा दी जिससे सरकार शर्मिंदा हो सकती है और मीडिया ने खुद को बेकार साबित कर दिया है।

पहलगाम में आतंकवादी हत्याओं की निंदा करने और रक्षा बलों को सलाम करने में सारा देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ा है। इस घटना के कारण पाकिस्तान पर भारत ने पांच दशकों में इतना सघन हमला किया। भारत की इस कार्रवाई के लिए व्यापक समर्थन आतंकवादियों को खोजने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने के राष्ट्रीय संकल्प को दशार्ता है। फिर भी, यह संकल्प आत्म-प्रशंसा के शोर के एक प्रतिध्वनि कक्ष में उतरने का जोखिम उठाता है जो राष्ट्र को उस गहन विश्लेषण से रोक सकता है।

इस संघर्ष में हालांकि कुछ भारतीय उद्देश्यों को हासिल कर लिया गया लेकिन इस स्तर पर यह तर्क देना मुश्किल है कि ऑपरेशन सिंदूर एक बड़ी सफलता थी। भले ही ऑपरेशन में सीमित सफलता मिली है लेकिन इससे मिले सबक असीमित हैं। हमारे पास डेटा की एक खदान है जिसमें राजनीतिक ग्राउंड वर्क, राजनयिक जुड़ाव और योजना, रणनीति या परिचालन मुद्दों के विचारों से लेकर उच्च तकनीक वाले सैन्य हार्डवेयर व अत्याधुनिक प्लेटफार्मों के प्रदर्शन पर समृद्ध युद्ध क्षेत्र डेटा तक शामिल हैं।

अगली लड़ाई उन लोगों द्वारा जीती जाएगी जो सैन्य मोर्चे पर इन सीखों पर अच्छी तरह से अमल कर सकते हैं लेकिन सबसे बड़ा सबक विशेष रूप से राजनीतिक मोर्चे पर होगा जहां युद्ध पर बड़े निर्णय लिए जाते हैं। सीखना हमेशा आसान नहीं होता है। उच्चतम राजनीतिक स्तर पर, यह उस रणनीति को चुनौती देता है जिसने हमें मर्दानगी की बातें और युद्ध के नारे दिए, जिसमें चुनावी रैली भी शामिल है, लेकिन युद्ध के समय अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने के लिए आवश्यक कड़ी मेहनत के कम सबूत मिले. साथ ही, विनम्रता, ईमानदारी और जिज्ञासा की भावना के साथ कठिन सवालों को प्रोत्साहित करने की इच्छा भी होनी चाहिए, जिनमें से कोई भी आत्म-प्रशंसा से मदद नहीं करता है जो गहन जांच को बंद कर देता है।

साथ ही अगर हमें इस मुद्दे पर राष्ट्रीय एकता का पूरा लाभ उठाना है तो विपक्ष पर चुनावी शैली के हमलों के बजाय राजनीतिक दलों को अधिक विश्वास-निर्माण करने वाले कदमों के साथ एक साथ लाना होगा।

पहलगाम आतंकी हत्याओं के ठीक दो दिन बाद 24 अप्रैल को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में जब लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं सहित सभी राजनीतिक नेता मौजूद थे, उसमें प्रधानमंत्री के शामिल न होने के फैसले से विश्वास बहाली में कोई मदद नहीं मिली। वह गलत निर्णय पुरानी ढर्रे की नीतियों के आधार पर लिया गया था। विभिन्न देशों की राजधानियों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का सरकार का निर्णय अलग है। यह दृष्टिकोण में बदलाव का संकेत देता है लेकिन कांग्रेस द्वारा नामित नहीं किए गए शशि थरूर के सूची में शामिल होने पर पैदा हुआ विवाद- एक अनावश्यक चुभन- हमें बताता है कि पुरानी आदतें मुश्किल से छूटती हैं। हम उन पाठों पर वापस आ गए जो सीखे नहीं गए हैं। कांग्रेस पहले ही कह चुकी है कि भाजपा गेम खेल रही है। यह एक ऐसे मुद्दे पर कमजोर भरोसे और खराब राजनीतिक संबंधों में उतरता है जो गहरी राजनीतिक एकता की मांग करता है।

जानकारियां जिस तरह से अर्थहीन हो गई है उससे कुछ सबक मिलते हैं। आज समझदारी इसी में है कि युद्ध के कोहरे के बीच क्या सही या गलत हुआ, इस बाबत सभी बाहरी दावों और प्रतिदावों को त्याग दिया जाए। समाचार मीडिया एंकरों और स्व-घोषित अति-राष्ट्रवादियों ने कई (ज्यादातर झूठे) दावे कर गड़बड़ कर दी है। सरकार समर्थक मीडिया ने अपने आकाओं की सेवा में काल्पनिक दावों की ऐसी झड़ी लगा दी जिससे सरकार शर्मिंदा हो सकती है और मीडिया ने खुद को बेकार साबित कर दिया है। यह ऐसे दोस्तों का मामला है जो दुश्मनों से भी बदतर काम कर रहे हैं। मीडिया तब सही तरीके से काम करता है जब सभी प्रकार के विचारों को फलने-फूलने की अनुमति दी जाती है। इसका उदाहरण ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजॅन हैं जहां पर ग्राहक समीक्षाओं का समग्र मूल्यांकन कर नकारात्मक और सकारात्मक प्रतिक्रिया प्रकाशित की जाती है। एकतरफा विचारों से चिह्नित एक पारिस्थितिकी तंत्र सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण रूप से उस पक्ष के लिए बुरा है जिसे आगे बढ़ाया जा रहा है। ये प्राथमिक सबक हैं जिन्हें फिर से सीखने की आवश्यकता हो सकती है।

युद्ध अंतिम उपाय है। यह भारत कह चुका है और इसे वास्तव में प्रधानमंत्री ने अतीत में व्यक्त किया है। 2022 में कारगिल में प्रधानमंत्री को यह कहते हुए उद्धृत किया गया था- 'भारत ने हमेशा युद्ध को अंतिम उपाय के रूप में देखा है, लेकिन राष्ट्र पर बुरी नजर डालने वाले किसी भी व्यक्ति को करारा जवाब देने की ताकत और रणनीति सशस्त्र बलों के पास है'। तो भी जब इस अंतिम उपाय का प्रयोग किया जाता है तो ब्रह्मास्त्र अपनी शक्ति खो सकता है। इसका उसी तरह से फिर से उपयोग या संचालन नहीं किया जा सकता। कम कार्रवाई को हल्के में लिया जाएगा, मजबूत कार्रवाई से अस्वीकार्य स्तर के जोखिम के साथ तेजी से वृद्धि का जोखिम होगा। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा पहले जल्दबाजी में घोषित किए गए संघर्ष विराम के मद्देनजर यह भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत या पाकिस्तान ने संघर्ष विराम की घोषणा नहीं की थी। भविष्य में इसका क्या मतलब है इसका पूरी तरह से विश्लेषण करने में समय लगेगा। इस बीच, व्हाट्सएप समूहों पर भेजी जा रही कुछ राजनीतिक प्रतिक्रियाओं से बचना चाहिए- एक ने कहा कि 'पूर्ण युद्ध' केवल तभी संभव है जब भाजपा 400 सीटें जीते। आतंकी हमले और युद्ध ऐसे मुद्दे नहीं हैं जिन पर किसी को वोट और संसद में सीट मांगनी चाहिए। यह खतरनाक और अपमानजनक है- यह प्रतिक्रिया अति उत्साही, सहानुभूति रखने वालों और पार्टी के समर्थकों से आती है। ये लोग उस पार्टी को अधिक नुकसान पहुंचाते हैं जिसका वे समर्थन करना चाहते हैं।

ध्यान दें कि ट्रम्प ने संघर्ष विराम पर बोलते समय भारत और पाकिस्तान को बराबरी का दर्जा दिया। ट्रम्प ने एक ही समय अस्तित्व में आए दो देशों के संबंध में स्वीकृत डी-हाइफनेशन को मिटा दिया।

आपरेशन सिंदूर से भयभीत पाकिस्तान बढ़ाएगा अपना रक्षा बजट

इस्लामाबाद। आपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के हमलों से भयभीत पाकिस्तान अब अपने रक्षा बजट में बढ़ोत्तरी करेगा। पाकिस्तान के योजना मंत्री अहसन इकबाल ने कहा कि पाकिस्तान की रक्षा के लिए रक्षा बजट में बढ़ोत्तरी जरूरी है। योजना मंत्री इकबाल ने कहा है कि यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है कि वित्त वर्ष 2025-26 के आम बजट में रक्षा बजट में भारी बढ़ोत्तरी की जाए। इससे सेना जरूरी साजो-सामान खरीद सके, जिनकी उन्हें जरूरत है। भारत का बिना नाम लिए उन्होंने इस्लामाबाद में कहा कि हमारा पड़ौसी काफी खतरनाक है, जिसने रात के अंधेरे में पाकिस्तान पर हमला किया। हमें तैयार रहना होगा कि यदि दोबारा हमला हुआ तो उसका माकूल जवाब दिया जा सके। पाकिस्तान का बजट दस जून को पेश किया जा सकता है।गौरतलब है कि बीते दिनों आपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान पर हवाई हमले करके उसके तमाम आतंकी लांच पैड तबाह कर दिए, वहीं 11 एयरबेस को भी काफी नुकसान पहुंचाया गया था।

डॉ मुहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार के प्रमुख बने रहेंगे : बांग्लादेश के योजना सलाहकार की पुष्टि

ढाका। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता डॉ मुहम्मद यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख बने रहेंगे। य ह पुष्टि योजना सलाहकार डॉ वहीदुद्दीन महमूद ने एक अनौपचारिक प्रेस वार्ता के दौरान की। दो दिन पहले यूनुस के एक करीबी सहयोगी द्वारा उनके इस्तीफे की संभावनाओं के संकेत दिए जाने के बाद यह बयान आया है। डॉ महमूद ने कहा, उन्होंने (यूनुस) कभी नहीं कहा कि वे पद छोड़ देंगे। उन्होंने केवल यह कहा कि जो जिम्मेदारियां हमें दी गई हैं, उन्हें निभाने में कई अड़चनें आ रही हैं, लेकिन हम उनका समाधान कर रहे हैं। वे निश्चित रूप से अपने पद पर बने रहेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सलाहकार परिषद का कोई भी सदस्य पद छोड़ने के विचार में नहीं है। महमूद ने जोर देकर कहा कि हमें जो दायित्व सौंपा गया है, वह अत्यंत महत्वपूर्ण है। हम इससे पीछे नहीं हट सकते। दरअसल, यह बयान ऐसे समय आया है जब डॉ यूनुस ने नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के छात्र नेताओं से मुलाकात के दौरान स्वीकार किया था कि वे इस्तीफा देने पर विचार कर रहे हैं, क्योंकि राजनीतिक दलों के बीच आवश्यक सुधारों पर सहमति नहीं बन पा रही है।

बांग्लादेश नाजुक मोड़ पर, अंतरिम सरकार चुनाव का मसौदा सामने लाए, सेना को विवाद में घसीटना संप्रभुता के लिए खतराः अमीर शफीकुर्रहमान

ढाका। बांग्लादेश के मौजूदा हालात से नाखुश अंतरिम सरकार के प्रमुख और मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद यूनुस के राजपाट छोड़ने की कानाफूसी के बीच तेज हुई राजनीतिक हलचलों पर जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर्रहमान का आज कुछ देर पहले बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि अंतरिम सरकार संसदीय चुनाव का मसौदा देश के सामने रखे। साथ ही इस विवाद से सेना को दूर रखा जाए, क्योंकि इससे देश की संप्रभुता को खतरा हो सकता है। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर्रहमान ने कहा कि सेना को इस विवाद में घसीटने से देश की संप्रभुता को गंभीर खतरा पैदा हो जाएगा। बांग्लादेश की सेना का देश के लिए सम्मानजनक योगदान है। उन्होंने यह बात राजधानी ढाका के मोघबाजार स्थित अल-फलाह सभागार में जमात-ए-इस्लामी की केंद्रीय मजलिस-ए-शूरा बैठक में कही। उन्होंने कहा कि हर किसी को सेना के बारे में कोई भी टिप्पणी करने से बचना चाहिए। बांग्लादेश इस समय नाजुक मोड़ से गुजर रहा है। अंतरिम सरकार को तत्काल सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। संघर्ष और बदनामी के माध्यम से राष्ट्र को अनिश्चितता की ओर धकेलना स्वीकार नहीं किया जाएगा। अमीर ने मौजूदा स्थिति से उबरने के लिए एकजुटता का आह्वान किया। जमात प्रमुख ने कहा कि समस्या का बातचीत से संतोषजनक समाधान निकाला जा सकता है। इसलिए सर्वदलीय बैठक जरूरी है।

टोक्यो के हानेडा हवाई अड्डे के पास लगी आग, उड़ानें प्रभावित

टोक्यो। जापान की राजधानी टोक्यो के हानेडा हवाई अड्डे के पास के एक कारखाने में कल लगी आग से विमानों का आवागमन प्रभावित हुआ। अग्निशमन विभाग ने कहा कि करीब 13 घंटे बाद सुबह आग को पूरी तरह बुझाने में कामयाबी मिली। जापान टुडे अखबार की खबर के अनुसार, अग्निशमन विभाग ने कहा कि सूचना मिलते ही 100 से अधिक दमकल गाड़ियां भेजी गई। आग बुझाने के दौरान एक दमकलकर्मी को धुएं के कारण सांस लेने में तकलीफ हुई। फिलहाल उसकी हालत ठीक है। शाम करीब पांच बजे सूचना मिली थी कि इस कारखाने के कन्वेयर बेल्ट में आग लग गई है। अग्निशमन विभाग ने कहा कि आग से कारखाने की चार मंजिला इमारत की दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल राख हो गई। पुलिस ने कहा कि यह कारखाना जापान के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे से लगभग दो किलोमीटर उत्तर में है।

बैजयंत पांडा के नेतृत्व में बहरीन पहुंचा प्रतिनिधिमंडल, प्रवासी भारतीयों से की मुलाकात

एजेंसी

मनामा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद बैजयंत जय पांडा के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल बहरीन पहुंचा। इस दौरान भारतीय प्रवासियों से बातचीत की और आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख से अवगत कराया। इस दौरान बहरीन में इंडिया हाउस में महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस यात्रा का उद्देश्य क्षेत्र में भारत के संबंधों को मजबूत करना तथा सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ देश के दृढ़ रुख को उजागर करना है। यह बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब और अल्जीरिया की बहु-देशीय यात्रा की शुरुआत है। बहरीन में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में कहा, जय पांडा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने बहरीन में प्रमुख हस्तियों के साथ बातचीत की। प्रतिनिधिमंडल ने मजबूत द्विपक्षीय संबंधों में उनके योगदान की प्रशंसा की और आतंकवाद के खिलाफ

भारत के दृढ़ रुख को दोहराया। बयान में कहा गया, सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की और आतंकवाद के खिलाफ भारत के एकीकृत और अटल रुख से अवगत कराया। उल्लेखनीय है कि समूह-1 प्रतिनिधिमंडल में बैजयंत पांडा, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, भाजपा सांसद फांगनोन कोन्याक, भाजपा सांसद रेखा शर्मा, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, सांसद सतनाम सिंह संधू, मनोनीत सांसद गुलाम नबी आजाद और राजदूत हर्ष श्रृंगला शामिल हैं। यह प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया का दौरा करेगा। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए भाजपा सांसद पांडा ने कहा, हमारे प्रवासी भारतीयों ने विश्व स्तर पर सफलता हासिल की है और इससे हम सभी को बहुत गर्व है। आज, सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के अपने सम्मानित सहयोगियों के साथ, हमने बहरीन में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत की और आतंकवाद के खिलाफ भारत के एकजुट और अडिग रुख से अवगत कराया। उन्होंने एक अन्य एक्स पोस्ट में कहा, इंडिया हाउस, बहरीन। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के अपने सम्मानित सहयोगियों के साथ बहरीन में इंडिया हाउस में महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद हमने राजदूत विनोद के. जैकब के साथ दिलचस्प बातचीत की। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर, आतंकवाद पर प्रधानमंत्री के विचार और भविष्य की रणनीति पर बहरीन में भारतीय और बहरीनी सांसदों, लेखकों, उद्योगपतियों और सामाजिक संगठनों के साथ बैठक हुई।

युद्धपोत की लांचिंग फेल होने पर किम जोंग ने तीन अफसरों को किया गिरफ्तार

एजेंसी

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया में बीते दिनों विध्वंसक युद्धपोत की लाचिंग फेल होने की गाज तीन अधिकारियों पर गिर गई है। तानाशाह किम जोंग ने युद्धपोत के निर्माण में शामिल रहे तीन अफसरों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें कड़ी सजा देने की तैयारी चल रही है। दरअसल 21 मई को उत्तर कोरिया के पूर्वी बंदरगाह पर पर नव निर्मित विध्वंसक युद्धपोत लांच किया जा रहा था। दुनिया भर की नजर इस युद्धपोत पर लगी हुई थी। लाचिंग के समय तानाशाह किम जोंग खुद बेटी के साथ मौजूद थे। लेकिन करीब पांच हजार टन के वजन वाले युद्धपोत का संतुलन बिगड़ गया और पानी में गिर गया, जिससे लाचिंग फेल हो गई। इस घटना के बाद से ही किम जोंग खासे गुस्से में हैं। वह इस घटना को साजिश के साथ ही अपराध भी मान रहे हैं। कोरिया की सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक इस मामले में युद्धपोत के निर्माण में शामिल रहे मुख्य इंजीनियर, निर्माण प्रमुख और प्रशासनिक प्रबंधक को गिरफ्तार किया गया है। इन तीनों को ही युद्धपोत के डूबने का जिम्मेदार माना जा रहा है।

गाजा में इजराइली हमलों में एक डॉक्टर के 9 बच्चों की मौत

एजेंसी

काहिरा। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइल के हालिया हवाई हमलों में पिछले 24 घंटों के भीतर कम से कम 79 लोगों के शव अस्पतालों में लाए गए हैं। मंत्रालय का कहना है कि यह आंकड़ा उत्तरी गाजा के उन अस्पतालों को शामिल नहीं करता, जो अब पूरी तरह पहुंच से बाहर हो चुके हैं। इन मृतकों में सबसे दर्दनाक घटना दक्षिणी शहर खान यूनुस में सामने आई, जहां नासिर अस्पताल में कार्यरत बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अलाअ नज्जार के 10 में से 9 बच्चों की मौत हो गई। अस्पताल के बाल रोग विभाग के प्रमुख डॉक्टर अहमद अल-फर्रा ने बताया कि हमले के वक्त डॉक्टर नज्जार अस्पताल में ड्यूटी पर थीं और सूचना मिलते ही घर दौड़ीं, जहां उन्होंने अपने घर को आग की लपटों में घिरा पाया। डॉक्टर नज्जार के पति गंभीर रूप से घायल हैं, जबकि उनका इकलौता जीवित बच्चा (11 वर्षीय बेटा) गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। मृत बच्चों की

उम्र सात महीने से लेकर 12 वर्ष के बीच बताई गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता खलील अल-दुक्रान ने बताया कि दो बच्चों के शव अब भी मलबे के नीचे दबे हुए हैं।

इजराइली सेना ने इस हमले के संबंध में बयान जारी कर कहा कि उन्होंने अपने सैनिकों के पास स्थित एक इमारत से सक्रिय संदिग्धों को निशाना बनाया। सेना ने खान यूनुस क्षेत्र को ÷खतरनाक युद्ध क्षेत्र÷ करार देते हुए दावा किया कि उन्होंने नागरिकों को पहले ही वहां से निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। उन्होंने कहा कि निर्दोष नागरिकों के हताहत होने के दावे की समीक्षा की जा रही है। जारी एक अन्य बयान में इजराइली वायुसेना ने दावा किया कि पिछले 24 घंटों में गाजा में 100 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया गया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 07 अक्टूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में इजराइल पर हमले के बाद शुरू हुए इस युद्ध में अब तक 53,901 लोग मारे जा चुके हैं।

मानव तस्करी कांडः आप्रवासन विभाग की कथित संलिप्तता के चलते गृहमंत्री पर बढ़ा इस्तीफे का दबाव

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू के मानव तस्करी प्रकरण में आप्रवासन विभाग (इमिग्रेशन) की कथित संलिप्तता के चलते नेपाल की सियासत खासी गरमा गई है।विपक्षी दलों ने उनसे इस्तीफे की मांग की है। इससे नेपाल के गृहमंत्री रमेश लेखक पर इस्तीफे का दबाव बढ़ गया है। नेपाल के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आप्रवासन विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत में लंबे समय से चल रहे मानव तस्करी कांड में देश के गृह मंत्रालय के निजी सचिवालय की कथित तौर पर संलिप्तता की पुष्टि हुई ।

इसके चलते देश के गृहमंत्री रमेश लेखक की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।उन पर इस्तीफे का दबाव बढ़ गया है। एंटी करप्शन ब्यूरो ने दो दिन पहले ही त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर छापामारी किए जाने के बाद इस मानव तस्करी के जाल का खुलासा किया था। छापेमारी के बाद ही ब्यूरो ने हवाई अड्डे पर रहे आप्रवासन विभाग के संयुक्त सचिव सहित नौ कर्मचारियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किए गए संयुक्त सचिव तीर्थराज भट्टराई को गृहमंत्री

रमेश लेखक के निजी सचिव की सिफारिश पर ही हवाई अड्डे के आप्रवासन विभाग का प्रमुख बना कर भेजा गया था । एंटी करप्शन ब्यूरो के छापेमारी के एक दिन पहले उन्हें वापस गृहमंत्रालय बुला लिया गया था। ब्यूरो के द्वारा गिरफ्तार किए गए सभी कर्मचारियों से पूछताछ के बाद इस मामले में गृहमंत्री के निजी सचिव और निजी सहायकों की कथित तौर पर संलिप्तता की पुष्टि होने का दावा है। इस घटना के बाद न सिर्फ नेपाल के विपक्षी दलों ने, बल्कि उनकी अपनी पार्टी नेपाली कांग्रेस के नेताओं ने भी इस्तीफा देने की मांग की है। नेपाली कांग्रेस नेता डॉ. शेखर कोइराला ने आप्रवासन विभाग के भ्रष्टाचार घोटाले के बीच गृह मंत्री रमेश लेखक से नैतिक आधार पर इस्तीफा देने का आग्रह किया है।कोइराला ने पत्रकार वार्ता में कहा कि इस तरह के आरोप लगने के बाद पूर्व में कई मंत्रियों ने जांच में सहयोग करने की बात कहते हुए इस्तीफा दे दिया था।

अमेरिका ने यमन में संदिग्ध अलकायदा ठिकाने पर ड्रोन से किया हमला, कम से कम छह लोग मारे गए

एजेंसी

एडेन। यमन के एक सैन्य अधिकारी ने बताया कि दक्षिणी प्रांत अबयान में अलकायदा के एक संदिग्ध ठिकाने को निशाना बनाकर अमेरिका ने रात में ड्रोन हमला किया। इस हमले में कम से कम छह लोग मारे गए हैं।

यमन के सैन्य अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि रात पूर्वी अबयान के पहाड़ी माराकिशा इलाके में हमले किए गए। माना जा रहा है कि मारे गए सभी लोग अल-कायदा इन द अरेबियन पेनिन्जुला के सदस्य थे। यह अलकायदा नेटवर्क की यमन स्थित शाखा है। अधिकारी के अनुसार, अलकायदा के खिलाफ यह अभियान यमन के सरकारी बलों के साथ चलाया गया। जिस स्थान पर हमला किया गया, वह कथित तौर पर सरकारी बलों के खिलाफ हमलों और प्रांत में हाल ही में बमबारी अभियानों

के लिए लॉन्च पॉइंट के रूप में काम करता था। हमले को लेकर विरोधाभासी खबरें भी आई हैं। एक स्थानीय आदिवासी नेता ने रात में हुए दो ड्रोन हमलों की पुष्टि की, जिसमें आदिवासी तत्वों को ही निशाना बनाया गया। घटना को लेकर अलकायदा इन अरबियन पेनिन्जुला (एक्यूएपी) की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है। साल 2022 के अंत से अबयान यमन के आतंकवाद विरोधी प्रयासों में एक प्रमुख युद्धक्षेत्र रहा है। सरकार समर्थक साउदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल के बलों ने सरकारी सैनिकों द्वारा समर्थित, दूरदराज के क्षेत्रों में जमे हुए अलकायदा इन अरेबियन पेनिन्जुला लड़ाकों को जड़ से उखाड़ने की कोशिश की है। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि एक्यूएपी अक्सर तात्कालिक विस्फोटक उपकरणों के साथ सुरक्षा कर्मियों को निशाना बनाता है। यमन लंबे समय से गृह युद्ध झेल रहा है। यह 2014 में तब शुरू हुआ था जब हूती समूह ने राजधानी सना पर कब्जा कर लिया। अलकायदा समूह ने चरमपंथी समूहों को सत्ता शून्यता का फायदा उठाने का मौका दिया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक, इस संघर्ष में अब तक हजारों लोगों की मौत हो चुकी है और लाखों लोग अकाल का सामना करने के लिए मजबूर हुए हैं।

राजतंत्र की समाप्ति के 19 साल बाद ज्ञानेन्द्र शाह ने किया राजदरबार में प्रवेश

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में राजतंत्र के खात्मे के बाद पहली बार पूर्व राजपरिवार के सदस्यों ने राजदरबार में प्रवेश किया। पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह अपने परिवार के साथ 19 साल बाद राजदरबार पहुंचे। उन्होंने महल में परिवार के साथ पूर्जा अर्चना भी की। जिस राजमहल में रहकर पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह ने वर्षों तक देश पर शासन किया, उस नारायणहिटी राजदरबार में 19 सालों के बाद अपनी पत्नी कोमल शाह, अपने पोते हृदयेन्द्र शाह और अन्य सदस्यों के साथ प्रवेश किया। उन्होंने अपने परिवार के साथ राजदरबार के भीतर बने चतुर्व्युह नारायण मंदिर में जाकर विधिवत पूजा की। इस अवसर पर राजपुरोहित ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिपूर्वक पूजा कराई। इस दौरान पूर्व राज परिवार के सदस्य राजदरबार के मुख्य भवन तक नहीं गए, जहां रह कर वह अपना शासन चलाया करते थे। हालांकि राजदरबार परिसर में रह रहीं अपनी मां रत्न राज्य लक्ष्मी देवी शाह से ज्ञानेन्द्र शाह ने मुलाकात की। इस मौके पर मौजूद डा. जगमान गुरूंग ने बताया कि 29 मई से शुरू हो रहे राजसंस्था समर्थकों के आंदोलन का मुख्य उद्देश्य ही पूर्व राजा को राजदरबार के स्थापित करना है। उससे पहले पूर्व राजपरिवार के सदस्यों का राजदरबार में जाना एक शुभ संकेत है।

पाकिस्तान आतंकवाद का नासूर, वैश्विक पटल पर बताएंगे सच्चाई : रविशंकर प्रसाद

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल फ्रांस समेत 6 यूरोपीय देशों को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और जरूरत के बारे में बताएगा। रवाना होने से पहले रविशंकर प्रसाद ने कहा कि वे आतंकवाद के कैंसर से दुनिया को परिचित कराएंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत गर्व है कि प्रधानमंत्री ने मुझे यूरोपीय देशों में संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी है। हम फ्रांस, इटली, डेनमार्क, इंग्लैंड, बेल्जियम और जर्मनी का दौरा करेंगे।' उन्होंने कहा, 'हम विश्व को बताएंगे कि आतंकवाद दुनिया का कैंसर है, दुनिया की बड़ी घटनाओं के आतंकवाद का केंद्र कहीं न कहीं पाकिस्तान है। इन सारे मुद्दों को सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल वैश्विक पटल पर रखेगा। इस आतंकवाद के

नासूर के खिलाफ दुनिया को एक स्वर में बोलने की आवश्यकता है। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हमें स्पष्ट रूप से यह बताना है कि भारत शांति और सद्भाव में विश्वास करता है, लेकिन अगर निर्दोष भारतीयों पर आतंकी हमला किया गया तो इसका कड़ा जवाब दिया जाएगा। हमने ऐसा करके भी दिखा दिया है।उन्होंने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में हर पार्टी के नेताओं को शामिल करने को भारत की राजनीति में एक मील का पत्थर बताया, कहा, ÷विपक्षी दल के नेताओं को इसमें नेतृत्व करने को भी कहा गया है। वहीं, सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा सांसद गुलाम अली खटाना ने कहा, ÷जब हम विदेश जाते हैं, तो हम भारतीय के रूप में जाते हैं। देश के अंदर, हमारे राजनीतिक दलों के बीच मतभेद हो सकते हैं। हम आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की बात करेंगे... हम दुनिया के सामने पाकिस्तान का असली चेहरा उजागर करेंगे। कांग्रेस सांसद अमर सिंह ने कहा, ÷हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय से संपर्क कर रहे हैं। हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान, जिसने पहलगाम हमला किया, बार-बार हमारे देश को परेशान करता है और निर्दोष नागरिकों को मारता है। जब हम इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाते हैं।

त्रिपोली में बढ़ते तनाव के बीच मिस्त्र ने 71 नागरिकों को लीबिया से सुरक्षित वापस बुलाया

एजेंसी

काहिरा। त्रिपोली में हालिया हिंसक झड़पों और राजनीतिक अस्थिरता के बीच मिस्त्र सरकार ने अपने 71 नागरिकों को लीबिया से सुरक्षित स्वदेश वापस बुला लिया है। मिस्त्र के विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि यह पूरी प्रक्रिया सरकार द्वारा वित्तपोषित थी और इससे वापसी करने वालों पर कोई आर्थिक बोझ नहीं डाला गया।मंत्रालय के अनुसार, ये नागरिक इजिप्टएयर की एक विशेष उड़ान के जरिये देश लौटे। यह कदम राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी के उस निर्देश के तहत उठाया गया, जिसमें उन्होंने लीबिया में रह रहे मिस्त्रवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और स्वेच्छा से लौटने की इच्छा रखने वालों के लिए सुगम पुनर्वास की व्यवस्था करने का आदेश दिया था। लीबिया की राजधानी त्रिपोली में 12 मई से हालात गंभीर हो गए थे, जब स्टैबिलिटी सपोर्ट अपरेटस (एसएसए) और प्रधानमंत्री अब्दुल-

हमीद दबैबा के प्रति वफादार 444 ब्रिगेड के बीच भारी संघर्ष शुरू हो गया। यह हिंसा उस समय भड़की जब एक एसएसए कमांडर की कथित तौर पर 444 ब्रिगेड के नियंत्रण वाले ठिकाने में हत्या कर दी गई। हालांकि, बीते सप्ताह एक संघर्षविराम पर सहमति बनी है। लीबिया की राष्ट्रपति परिषद और संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएसएमआईएल) ने मिलकर एक संयुक्त संघर्षविराम समिति गठित की है।

इजराइल में बंधकों की रिहाई के लिए देशभर में प्रदर्शन

एजेंसी

तेल अवीव। हमास के कब्जे से बंधकों की रिहाई की मांग को लेकर आज इजराइल में देशव्यापी प्रदर्शन किए जा रहे हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, ये रैलियां बंधकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए सरकार पर दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से की जा रही हैं। तेल अवीव के हबीमा स्क्वायर में आज रात (स्थानीय समयानुसार 7 बजे) सरकार विरोधी रैली आयोजित की गयी है। इसके साथ ही होस्टेज एंड मिसिंग फैमिलीज फोरम के नेतृत्व में एक विशेष प्रदर्शन सैन्य मुख्यालय के बाहर आयोजित किया जाएगा। इससे पहले आज किर्यात बियालिक शहर में हजारों लोगों ने मार्च किया। यह प्रदर्शन मतन एंगरेस्ट की रिहाई की मांग को लेकर था, जो कि 07 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा अगवा किए गए इजराइली रक्षा बल के एक जवान हैं और अब तक गाजा में बंदी हैं। मतन एंगरेस्ट हाइफा उपनगर के निवासी हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सरकार को बंधकों की रिहाई के लिए तत्काल कोई ठोस समझौता करना चाहिए और मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। बंधकों के परिजन भावुक अपील कर रहे हैं कि उनकी पीड़ा को और लंबा न खींचा जाए।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने किया दक्षिण कोरिया में भारतीय दूतावास का दौरा, संझय झा ने जताया आभार

एजेंसी

सोल,नई दिल्ली। जदयू सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल जापान की सफल यात्रा के बाद दक्षिण कोरिया पहुंच गया है। संजय कुमार झा ने रविवार को दक्षिण कोरिया से जुड़ी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर की है। उन्होंने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर सभी दलों के प्रतिनिधिमंडल के साथ सियोल में भारतीय दूतावास का दौरा किया। संजय कुमार झा ने एक्स पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, दिन 4: सोल, दक्षिण कोरिया। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर सभी दलों के प्रतिनिधिमंडल के साथ सोल में भारतीय दूतावास का दौरा किया। भारत के कोरिया में राजदूत अमित कुमार से मुलाकात हुई। द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर सार्थक चर्चा हुई। उनकी गर्मजोशी भरी मेहमाननवाजी और उपयोगी बातचीत के लिए आभार। इसके अलावा, टीएमसी ने भी अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर कुछ फोटो शेयर की। उन्होंने लिखा, ÷सभी दलों के

सांसदों के प्रतिनिधिमंडल, जिसमें अभिषेक बनर्जी भी शामिल थे, ने सोल स्थित भारतीय दूतावास में भारतीय राजदूत द्वारा आयोजित एक महत्वपूर्ण ब्रीफिंग में हिस्सा लिया। इस दौरान आगे की रणनीति पर चर्चा हुई और आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ़ रुख को दोहराया गया। दरअसल, यह प्रतिनिधिमंडल भारत की वैश्विक कूटनीतिक पहल का हिस्सा है, जो 'ऑपरेशन सिंदूर' और पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के महत्व को रेखांकित करता है। भारतीय दूतावास ने कहा, सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत की कूटनीतिक पहल के लिए सोल पहुंचा। भारत आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ लड़ाई के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रतिनिधिमंडल में संजय कुमार झा के अलावा भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी, बृज लाल और प्रद्युम्न बरुआ, तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी, सीपीआई (एम) के राज्यसभा सदस्य जॉन ब्रिटास और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद, राजदूत मोहन कुमार भी शामिल हैं। झा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आतंकवाद के प्रति भारत की जीरो टॉलरेंस नीति का संदेश लेकर सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ सियोल पहुंचा। आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहमति दृढ़ और अटल होनी चाहिए और भारत इस संकल्प का नेतृत्व करने के लिए प्रतिबद्ध है। बता दें कि जेडीयू से राज्यसभा सांसद संजय झा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल 22 से 24 मई तक जापान के दौरे पर था।

पाटीदार और कमिंस पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना

एजेंसी

लखनऊ। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार पर सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मैच में धीमी ओवर गति के लिये जुर्माना लगाया गया है। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम के मैच नंबर 65 के दौरान हैदराबाद के खिलाफ आरसीबी पर धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिये यह जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल की आचार संहिता के तहत न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित उनकी टीम का सीजन का दूसरा अपराध था, इसलिए पाटीदार पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इम्पैक्ट प्लेयर समेत प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से छह लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, का जुर्माना लगाया गया। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पर उनकी टीम की धीमी ओवर गति के कारण जुर्माना लगाया गया है।यह आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का इस सीजन का पहला अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, इसलिए कमिंस पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

शानदार तरीके से अभियान का समापन करने उतरेंगी केकेआर और एसआरएच

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) यहां अरुण जेटली स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन के अपने अंतिम ग्रुप स्टेज मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से भिड़ेगी। दोनो ही टीमे प्लेऑफ के लिए दावेदार नहीं है, जिससे मैच नंबर 68 प्रतिष्ठा की लड़ाई बन गया है। हालांकि, दोनों फ्रेंचाइजी इस साल के टूर्नामेंट में विपरीत प्रदर्शन के बावजूद सकारात्मक प्रदर्शन के साथ अभियान को समाप्त करना चाहेंगी। सनराइजर्स हैदराबाद ने खराब शुरुआत के बावजूद अपने पिछले चार मैचों में से तीन में जीत के साथ शानदार प्रदर्शन किया है। अपने पिछले मैच में, हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पर 42 रनों की शानदार जीत दर्ज की, जिसमें ईशान किशन की 48 गेंदों पर 94 रनों की तूफानी पारी शामिल थी। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के धमाकेदार फॉर्म ने टीम की वापसी में अहम भूमिका निभाई है, जिन्होंने 193 के स्ट्राइक रेट से 12 पारियों में 407 रन बनाए हैं। इस बीच, गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) इस सीजन में लय हासिल करने में विफल रही है और 13 मैचों में से पांच जीत के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। आरसीबी के खिलाफ उनका सबसे हालिया मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया, जिससे उनकी प्लेऑफ की उम्मीदें खत्म हो गईं।

नागालैंड की महिलाओं ने रचा इतिहास

दीव । नागालैंड ने दीव में खेले गए खेलो इंडिया बीच गेम्स में सेपकटकरॉ महिलाओं की क्वाडरेगु टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इस शानदार प्रदर्शन ने उन्हें पहली बार किसी खेलो इंडिया प्रतियोगिता के शीर्ष तीन में पहुंचा दिया। वहीं,दिल्ली ने मणिपुर को हराकर पुरुषों की क्वाडरेगु टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नागालैंड ने खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 में अपना अभियान कुल मिलाकर तीसरे स्थान पर समाप्त किया, जिसमें उन्होंने 5 स्वर्ण, 3 रजत और 5 कांस्य पदक जीते। नागालैंडके चार स्वर्ण पदक पेंचक सिलाट से आए हैं।पदक तालिका में मणिपुर और महाराष्ट्र पहले और दूसरे स्थान पर रहे। घोंघला बीच पर जैसे ही अंतिम सीटी बजी, वहां उत्सव और जश्न का माहौल छा गया।नागालैंड की महिला टीम ने घबराहट, कड़ी टक्कर और दबाव का सामना करते हुए हरियाणा को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से हराकर जीत दर्ज की। वहीं, दिल्ली की पुरुष टीम ने फाइनल में मणिपुर को सीधे सेटों में 2-0 से हराकर आसानी से खिताब जीता। पुरुष और महिला दोनों वर्गों के फाइनल के दौरानबड़ी संख्या में दर्शक मौजूद थे।

नार्वे शतरंज : मैगनस कार्लसन और गुकेश के बीच टक्कर पर दुनिया की नजरे

ओस्लो ,नॉर्वे। यहाँ शुरू होने वाले नार्वे शतरंज के तेरहवें संस्करण में भारत के वर्तमान विश्व चैंपियन डी गुकेश और मेजबान देश के पाँच बार के विश्व चैंपियन मैगनस कार्लसन दोनों भाग लेने जा रहे है और शतरंज प्रेमियों के लिए यह पहला मौका होगा जब विश्व चैंपियन बनने के बाद गुकेश क्लासिकल शतरंज में कार्लसन का मुकाबला करेंगे । आज भी कार्लसन एक दशक से भी अधिक समय से दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी है जबकि गुकेश दुनिया के फ़िलहाल नम्बर तीन खिलाड़ी है । इन दोनों के अलावा भारत के अर्जुन एरिगैसी , यूएसए के फैबियानो कारूआना और हिकारू नाकामुरा आवर चीन के वे यी भी इस प्रतियोगिता का हिस्सा होंगे , यह सभी खिलाड़ी दोहरे राउंड रॉबिन के आधार पर कुल दस राउंड खेलेंगे ,मतलब हर खिलाड़ी आपस में एक बार सफेद और एक बार काले मोहरो से मुकाबला खेलेंगे । कार्लसन नॉर्वे शतरंज का खिताब रिकॉर्ड छह बार जीत चुके है आवर अब देखना होगा की क्या गुकेश इस बार उन्हें यह खिताब हासिल करने से रोक पायेंगे । इस बार नॉर्वे शतरंज में पहली बार महिला वर्ग की प्रतियोगिता भी खेली जाएगी इसमें वर्तमान विश्व चैंपियन चीन की जू वेंजून , चीन की लेई टिंग्जे , भारत की कोनेरू हंपी और आर वैशाली , यूक्रेन की अन्ना मुझीचुक और स्पेन की सरासदात खड़ेमलसरीह भाग लेंगी ।

आईपीएल 2025 : रोमांचक मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हराया

एजेंसी

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 66वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हरा दिया है। इस जीत के साथ जहां दिल्ली ने आईपीएल के इस सीजन को अलविदा कहा, वहीं पंजाब को इस हार से उसके प्लेऑफ में शीर्ष स्थान पर काबिज होने के सपने को धक्का लगा है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर पंजाब किंग्स को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। पंजाब की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या 6 रन बनाकर आउट हुए। उसके बाद जोश इंगलिस और प्रभसिमरन के बीच दूसरे विकेट के लिए 47 रनों की साझेदारी हुई। इस पार्टनरशिप को विपरज निगम ने तोड़ा। उन्होंने इंगलिस (32) और प्रभसिमरन (28) दोनों को आउट किया। पंजाब

का मिडिल ऑर्डर एक बार फिर फ्लॉप रहा। कप्तान श्रेयस एक छोर पर डटे रहे और लगातार रन बनाते रहे, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से किसी का साथ नहीं मिला। अय्यर 34 गेंदों में 53 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में मार्कस स्टोइनिस ने 16 गेंदों में नाबाद 41 रनों की पारी खेलकर टीम के स्कोर को 206 तक पहुंचाया। दिल्ली की तरफ से मुस्तफिजुर रहमान ने सबसे अधिक 3 विकेट चटकाए। जबकि विपरज निगम और कुलदीप यादव को दो-दो सफलता मिली। एक विकेट मुकेश कुमार के खाते में गया। 207 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स को कप्तान फाफ डुप्लेसिस और केएल राहुल ने सधी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी हुई। राहुल 35 रन बनाकर आउट हुए। इसके तुरंत बाद डुप्लेसिस भी 23 रन के निजी स्कोर पर आउट हो गए। जबकि आईपीएल में डेब्यू कर रहे सेदिकुल्लाह अटल 16 गेंदों में 2 छक्कों की मदद से 22 रन की पारी खेली। फिर समीर रिजवी ने करुण नायर के साथ मिलकर 62 रन जोड़े और टीम को जीत की दहलीज की ओर ले गए। हालांकि नायर अर्धशतक लगाने से चूक गए। उन्होंने 27 गेंदों में 44 रनों की पारी खेली। दिल्ली को आखिर के दो ओवर में 22 रन की जरूरत थी। 19वें ओवर में अर्शदीप सिंह को 18 रन जड़कर स्टब्स और रिजवी ने जीत को और आसान कर दिया।

खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025: मणिपुर चैंपियन, नगालैंड का ऐतिहासिक प्रदर्शन

एजेंसी

दीव। पहले खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 में मणिपुर ने शानदार प्रदर्शन कर कुल पांच स्वर्ण और छह रजत पदकों के साथ चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। इस आयोजन ने न केवल नए खेल प्रतिभाओं को मंच दिया, बल्कि नगालैंड जैसे उभरते राज्यों को इतिहास रचने का अवसर भी दिया, जिसने पहली बार किसी खेलो इंडिया प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में मणिपुर, महाराष्ट्र, नगालैंड, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर ने पांच-पांच स्वर्ण पदक जीते, लेकिन रजत पदकों के आधार पर फाइनल रैंकिंग तय की गई। पहले स्थान पर मणिपुर की टीम रही, जिसने 5 स्वर्ण, 6 रजत पदक जीते। जबकि महाराष्ट्र ने 5 स्वर्ण और 5 रजत पदक के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। तीसरे स्थान पर पांच स्वर्ण और तीन रजत के साथ नगालैंड रहा। तो चौथे स्थान पर संयुक्त रूप से हरियाणा एवं जम्मू-कश्मीर रहे। इनके खाते में 5 स्वर्ण और 1 रजत पदक रहा।

वहीं, मेजबान दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव (डीएनएचडीडी) ने 4 स्वर्ण के साथ सातवां स्थान प्राप्त किया। अहम बात यह रही कि कुल 46 स्वर्ण पदकों में से 28 पदक पेंचक सिलाट (एक इंडोनेशियाई मार्शल आर्ट) में ही दिए गए। मणिपुर के 5 में से 4 स्वर्ण, नगालैंड के सभी 4 स्वर्ण, जम्मू-कश्मीर और डीएनएचडीडी के सभी पदक इसी स्पर्धा में आए, जिससे इन राज्यों की स्थिति पदक तालिका में मजबूत हुई। प्रतियोगिता में खेले गए टीम खेलों के फाइनल में बीच वॉलीबॉल, बीच सॉकर और सेपक टकरा में रोमांच चरम पर रहा।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम का ऐलान, शुभमन गिल बने कप्तान

एजेंसी

मुम्बई। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टेस्ट टीम का ऐलान कर दिया गया है। टीम की कप्तानी शुभमन गिल को सौंपी गई है, जबकि ऋषभ पंत को उप-कप्तान बनाया गया है। कप्तान और उप-कप्तान के तौर पर दोनों युवा खिलाड़ियों पर टीम की बड़ी जिम्मेदारी होगी। टीम में करुण नायर की वापसी हुई है तो साई सुदर्शन को आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन करने का इनाम मिला है। इसके साथ ही तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को भी पहली बार शामिल किया गया है। वहीं शार्दुल ठाकुर भी टीम में वापसी कर रहे हैं, जो टीम की गेंदबाजी आक्रमण को और मजबूत करेंगे। हालांकि इस घोषणा में एक बड़ा झटका भी आया है, जब चयनकर्ताओं ने मोहम्मद शमी को मेडिकल टीम की रिपोर्ट के आधार पर फिट नहीं मानते हुए टीम से बाहर कर दिया। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने प्रेस कांफ्रेंस पुष्टि की कि चयन समिति शमी को टीम में शामिल करना चाहती थी, लेकिन मेडिकल विभाग की सलाह के बाद उन्होंने ऐसा नहीं किया। पूरे पांच मैच नहीं खेलेंगे बुमराह इस बीच, मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बारे में भी अहम जानकारी मिली है। अजित अगरकर ने कहा कि उन्हें

लगता है कि बुमराह पूरे पांच टेस्ट मैच नहीं पाएंगे। उनका खेलना चार या तीन मैचों तक सीमित रह सकता है, जो पूरी तरह से उनकी फिटनेस और प्रबंधन टीम की देखरेख पर निर्भर करेगा। कोहली के संन्यास पर बोले अगरकरस्टार खिलाड़ी विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के सवाल पर अजित अगरकर ने बताया कि अप्रैल महीने में कोहली ने उनसे संपर्क किया और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की इच्छा जताई। चयन समिति ने उनकी इस इच्छा का पूरा सम्मान किया और कोहली को अपनी मर्जी से निर्णय लेने की आज़ादी दी। शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर और उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश कुमार रेड्डी, रविंद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का पूरा शेड्यूल

पहला टेस्टः 20-24 जून - हेडिंग्ले, लीड्स

दूसरा टेस्टः 2-6 जुलाई - एजबेस्टन, बर्मिंघम

तीसरा टेस्टः 10-14 जुलाई - लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड, लंदन

चौथा टेस्टः 23-27 जुलाई - ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर

पांचवां टेस्टः 31 जुलाई-4 अगस्त - केनिंग्टन ओवल, लंदन

करुण नायर की आठ साल बाद भारतीय टेस्ट टीम में वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज करुण नायर ने करीब आठ साल बाद एक बार फिर भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की है। उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए घोषित 18 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली भारतीय टेस्ट टीम की घोषणा की। रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद चयनकर्ताओं ने शुभमन गिल को टेस्ट कप्तान बनाया है, वहीं ऋषभ पंत को उप कप्तान बनाया गया है। दौरे के लिए 18 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। इसमें करुण नायर भी शामिल हैं। उनकी टेस्ट टीम में वापसी करीब आठ वर्ष बाद हुई है। करुण नायर ने भारतीय टीम के लिए आखिरी टेस्ट 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धर्मशाला में खेला था। अब तक उन्होंने कुल 6 टेस्ट मैचों में 374 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 62.3 का रहा है। सबसे खास बात यह है कि नायर पूर्व दिग्गज वीरेंद्र सहवाग के बाद टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज हैं।

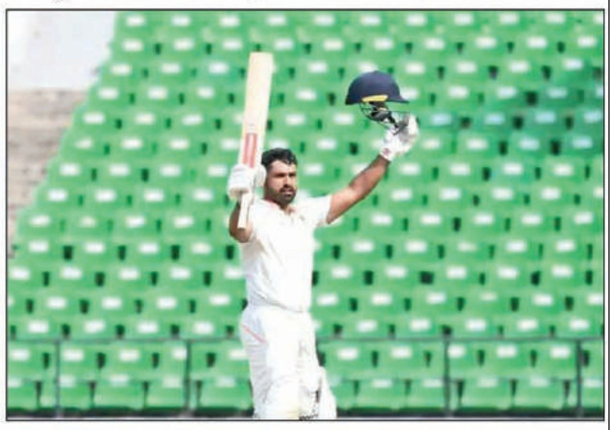

घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन से हासिल की वापसी

2023-24 घरेलू सीजन में करुण नायर ने कर्नाटक छोड़कर विदर्भ की टीम से खेलना शुरू किया। पहले ही सीजन में उन्होंने 10 मैचों में 690 रन बनाए, जबकि 2024-25 रणजी ट्रॉफी सीजन में नायर ने 9 मैचों में 863 रन बनाकर टीम को तीसरा रणजी खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। उनका औसत 54 का रहा। भारतीय टीम में चुने जाने से पहले नायर को इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ इंडिया ए टीम में भी जगह दी गई थी।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिपः उद्घाटन मुकाबले में इंडियन वॉरियर्स से भिड़ेंगे अफ्रीकन लायंस

एजेंसी

ग्रेटर नोएड। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्रेटर नोएडा में 27 मई से शुरू हो रही इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) का उद्घाटन मुकाबला इंडियन वॉरियर्स और अफ्रीकन लायंस के बीच 27 मई को शाम खेला जाएगा। इसके बाद 28 मई से प्रतिदिन डबल हेडर मुकाबले देखने को मिलेंगे। दिन का पहला मैच दोपहर 3:30 बजे से, जबकि दूसरा मुकाबला शाम 7:30 बजे शुरू होगा। लीग चरण 3 जून को समाप्त होगा, जिसके बाद सेमीफाइनल मुकाबले 4 जून को क्रमशः दोपहर 3-30 बजे और शाम 7:30 बजे से खेले जाएंगे। इसके बाद 5 जून को भव्य समापन समारोह के साथ ग्रैंड फिनाले मुकाबला खेला जाना तय है। आईएलसी के संस्थापक और निदेशक प्रदीप सांगवान ने कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा, यह सिर्फ लीग

नहीं बल्कि, 6 महाद्वीपों का समागम है, जो दर्शकों को रोमांच और पुरानी यादों का बेहतरीन मेल देने जा रहा है। शेड्यूल को इस तरह से तैयार किया गया है कि रोमांच बना रहे और दुनियाभर के दर्शक हर दिन स्क्रीन से जुड़े रहें। जहां पूर्व दक्षिण अफ्रीकी धाकड़ बल्लेबाज हर्शल गिब्स अफ्रीकन लायंस की कप्तानी करेंगे, तो वहीं एशियन किंग्स की अगुवाई सुरेश रैना के हाथों में है। एशिया की इस टीम में रैना के साथ पूर्व श्रीलंकाई दिग्गज तिलकरत्ने दिलशान और अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान भी जलवा बिखेरते नजर आएंगे।छह महाद्वीपों की 6 टीमों के बीच खेली जा रही इस चैंपियनशिप का मजा दर्शक सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव ले सकेंगे। एमवीपी क्रेस्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित और 100 स्पोर्ट्स द्वारा प्रबंधित इस लीग का लेखा-जोखा जिस तरह से तैयार किया गया है, निश्चित तौर पर यह क्रिकेट के नए इतिहास की इबारत लिखने जा रहा है।

उत्तर गुवाहाटी में ताइक्वांडो चैंपियनशिप शुरू

एजेंसी

गुवाहाटी । उत्तर गुवाहाटी के बिहलंगनी बरनामघर खेल मैदान में तीन दिवसीय कार्यक्रम के रूप में 10वीं कामरूप जिला ताइक्वांडो चैंपियनशिप का शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता में कामरूप जिले के विभिन्न क्षेत्रों से 500 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ विशिष्ट समाजसेवी हिरण्य बोरा और निरंजन बोरा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कामरूप जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव प्रांजन बुढ़ागोहाई ने की।प्रतियोगिता में आठ वर्ष से कम आयु वर्ग के सब-जूनियर, कैडेट, मीडियम, सब-गर्ल्स और सीनियर वर्गों में विभिन्न इवेंट आयोजित किए जाएंगे। विशेष अतिथि के रूप में पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिगंत बोरा, पत्रकार कौशिक दास और मुकुटेश्वर गोस्वामी उपस्थित रहे। इनके साथ-साथ राज्य के कई अग्रणी खिलाड़ियों को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के सहायक कोच नियुक्त हुए बिरेन्द्र लाकड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व स्टार खिलाड़ी बिरेन्द्र लाकड़ा को भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है। 35 वर्षीय अनुभवी डिफेंडर अब टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश के साथ मिलकर युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देंगे। खिलाड़ी से कोच बनने की इस नई भूमिका में लाकड़ा का अनुभव टीम की डिफेंस संरचना और मैच टेम्परामेंट को मजबूत करने में सहायक होगा। यह नियुक्ति खास तौर पर एफआईएच जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप 2025 को ध्यान में रखते हुए की गई है, जो 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में आयोजित होगा। बिरेन्द्र लाकड़ा ने 2010 में भारतीय सीनियर टीम के लिए डेब्यू किया और जल्द ही देश के सबसे भरोसेमंद डिफेंडर्स में

शुमार हो गए। उन्होंने लंदन 2012 और टोक्यो 2020 ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। अपने शानदार करियर में उन्होंने एशियन गेम्स 2014 में गोल्ड, 2018 में ब्रॉन्ज, एशिया कप 2013 में सिल्वर, कॉमनवेल्थ गेम्स 2014 में सिल्वर, चैम्पियंस ट्रॉफी 2018 में सिल्वर जैसे कई महत्वपूर्ण पदक भारत को दिलाए। ओडिशा के रहने वाले लाकड़ा हाल ही में हीरो हॉकी इंडिया लीग 2024-25 में टीम गोणासिका की ओर से खेले, जिससे उनकी फिटनेस और हॉकी के प्रति जुनून झलकता है। नई भूमिका को लेकर बिरेन्द्र लाकड़ा ने कहा, इस महत्वपूर्ण समय में भारतीय जूनियर टीम का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। मैंने भारत की जर्सी पहनने की कीमत को समझा है और अब मैं अगली पीढ़ी को इसके लिए तैयार करने के लिए उत्सुक हूं। श्रीजेश के साथ काम करना, जो मेरे साथी और प्रेरणा रहे हैं, एक रोमांचक चुनौती है। हम एक ऐसी टीम बनाना चाहते हैं जो निडर होकर खेल सके और देश को गर्व महसूस करा सके। टीम के कोच पीआर श्रीजेश ने कहा, बिरेन्द्र का टीम से जुड़ना हमारे लिए बहुत बड़ा फायदा है। उनके पास जबरदस्त अनुभव, रणनीतिक समझ और शांत नेतृत्व है, जो इन युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद मूल्यवान होगा।

वांग/सन ने टीटी विश्व चैंपियनशिप में लगातार तीसरा मिश्रित युगल खिताब जीता

दोहा। चीन के ओलंपिक चैंपियन वांग चुकिन और सुन यिंगशा ने विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप में

जापानी टीम को 3-1 से हराकर अपना तीसरा मिश्रित युगल खिताब जीता। दूसरे वरीय जोड़ी ने 16वीं वरीय महारू योशिमुरा और सत्सुकी ओडो की जोड़ी को 39 मिनट में 11-7, 11-8, 7-11, 11-8 से हराकर जीत हासिल की। इससे पहले दिन में वांग और सुन क्रमशः पुरुष और महिला एकल फाइनल में पहुंचे।

मलेशिया मास्टर्सः किदांबी श्रीकांत ने तीन साल बाद किसी फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने जापान के युशी तनाका को सीधे गेमों में हराकर यह सफलता हासिल की।

2021 वर्ल्ड चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता 32 वर्षीय श्रीकांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुराने अंदाज़ की झलक दिखाई। तेज़ नेट प्ले और आक्रामक शॉट्स के दम पर उन्होंने विश्व नंबर 23 तनाका को 21-18, 24-22 से हराया। यह श्रीकांत की छह साल में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर पहली फाइनल एंट्री है। इससे पहले वह 2019 इंडिया ओपन में उपविजेता रहे थे। श्रीकांत ने आखिरी बार 2017 में चार खिताब अपने नाम

किए थे। एक समय के विश्व नंबर 1 रह चुके श्रीकांत की मौजूदा रैंकिंग 65वीं है। बीते कुछ सालों में वह फॉर्म और फिटनेस के कारण संघर्ष करते रहे हैं, लेकिन इस प्रदर्शन से उन्होंने वापसी के संकेत दिए हैं।

उत्तर-पूर्व को मिलेगा खेलों का नया मंच, हर साल होंगे 'खेलो इंडिया नॉर्थईस्ट गेम्स' : डॉ मनसुख मांडविया

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के उत्तर-पूर्वी राज्यों में छिपी खेल प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच देने और उसे प्रोत्साहन देने के लिए भारत सरकार हर वर्ष खेलो इंडिया नॉर्थईस्ट गेम्स आयोजित करेगी। यह घोषणा केंद्रीय युवा मामलों और खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने राइजिंग नॉर्थईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025 में की। यह आयोजन नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में हुआ। डॉ मांडविया ने कहा, जिस तरह उत्तर-पूर्व भारत में परिवर्तन की लहर आई है, उसी तरह अब खेलों का एक नया युग भी इस क्षेत्र से शुरू हो रहा है। आज देश के कई शीर्ष खिलाड़ी उत्तर-पूर्व से आ रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं।

उत्तर-पूर्व राज्यों में हर साल होगा खेलो इंडिया नॉर्थईस्ट गेम्स

मंत्री ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा में बारी-बारी से हर वर्ष खेलो इंडिया नॉर्थईस्ट गेम्स आयोजित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य न केवल प्रतिभा की पहचान और पोषण करना है, बल्कि परंपरागत खेलों को भी मंच प्रदान करना है। डॉ मांडविया ने बताया कि उत्तर-पूर्व में खेल अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए 2021 में 439 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई थी, जिसके तहत 64 परियोजनाएं शुरू की गईं, जिनमें सिंथेटिक टर्फ, मल्टीपर्पज हॉल, स्विमिंग पूल और छात्रावास शामिल हैं। आज इस क्षेत्र में 86 खेल परियोजनाएं सक्रिय रूप से उपयोग में हैं। सरकार राष्ट्रीय खेल भंडार प्रणाली (एनएसआरएस) पोर्टल पर एक विशाल प्रतिभा पहचान अभियान शुरू करने जा रही है। कोई भी नागरिक किसी खिलाड़ी के खेल प्रदर्शन का वीडियो अपलोड कर सकता है। यदि वह खिलाड़ी संभावनाशील पाया जाता है, तो भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की टीम मौके पर जाकर उसका मूल्यांकन करेगी और उसे खेलो

इंडिया केंद्र (केआईसी) या राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) में शामिल किया जाएगा। वर्तमान में उत्तर-पूर्वी भारत में 250 से अधिक खेलो इंडिया केंद्र (केआईसी) हैं, जहां 8000 से अधिक खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। इसके अतिरिक्त 8 राज्य स्तरीय उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई) और गुवाहाटी, इटानगर और इम्फाल में 3 राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) सक्रिय हैं, जहां 600 से अधिक खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

खेल मंत्री ने बताया कि खेलो इंडिया अस्मिता लीग के तहत 13,000 से अधिक उत्तर-पूर्व की लड़कियों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया। यह दर्शाता है कि यह क्षेत्र अब खेल प्रतिभा का नया केंद्र बनता जा रहा है, जो भविष्य में राष्ट्रीय टीम को मजबूत बैकअप देगा। डॉ मांडविया ने कहा कि भारत 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों और 2036 में ओलंपिक की मेजबानी का लक्ष्य लेकर चल रहा है। भारत की भौगोलिक विविधता (दक्षिण में मानसून, उत्तर में हिमपात और पश्चिम में गर्मी) इसे वर्ष भर अंतरराष्ट्रीय खेलों की मेजबानी के लिए आदर्श बनाती है। उन्होंने कहा, जैसे मेक इन इंडिया ने दुनिया को भारत में निर्माण की दिशा में आकर्षित किया, वैसे ही प्ले इन इंडिया भारत को वैश्विक खेल गंतव्य बना सकता है।

प्रभास को छोड़ अल्लू अर्जुन की फिल्म में सेट हो गईं

दीपिका पादुकोण

इतने करोड़ में डील हुई फाइनल!

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की अपकमिंग फिल्म काफी चर्चा बटोर रहा है. एटली के साथ एक्टर बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं. इस फिल्म में दीपिका पादुकोण और जाह्नवी कपूर के शामिल होने की खबर है. प्रेग्नेंसी के बाद से एक्ट्रेस फिल्मी दुनिया में दोबारा कदम रखने के लिए तैयार हो चुकी हैं. हाल ही में आ रही खबर में ये सामने आ रहा है कि दीपिका ने इस फिल्म को ऑफिशियल साइन कर दिया है.दीपिका पादुकोण की जब से फिल्मों में वापसी की खबर सामने आई है, तभी से उनका नाम कई सारे प्रोजेक्ट से जोड़ा जा रहा है. फिलहाल एक्ट्रेस का नाम अल्लू अर्जुन की फिल्म के साथ जोड़ा जा रहा है, फेमस फिल्ममेकर एटली की डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म का टेंटेटिव टाइटल AA22&A6रखा गया है. बताया जा रहा है कि फिल्म में 3 एक्ट्रेस शामिल होंगी. खबरों में बताया जा रहा है कि कई महीनों से दीपिका और एटली की इस फिल्म को लेकर बातचीत हो रही थी.

कितनी ले रही हैं फीस ?

700 करोड़ के बजट में बन रही इस फिल्म में दीपिका की फीस को लेकर भी चर्चा बढ़ गई है. मिड-डे में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, एक्ट्रेस इस फिल्म के लिए 40 करोड़ रुपए फीस के तौर पर ले रही हैं. अब लोग जल्द ही इस फिल्म का फील्ड पर उतरने का इंतजार कर रहे हैं. हालांकि, पहले वो शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' की शूटिंग पूरी करेंगी. किंग साल 2026 में रिलीज हो सकती है. इस फिल्म से शाहरुख की बेटी सुहाना खान बड़े पर्दे पर अपना डेब्यू करने जा रही हैं.

स्पिरिट में भी आया था नाम

हालांकि, शाहरुख और अल्लू अर्जुन की फिल्मों के साथ ही साथ एक्ट्रेस का नाम प्रभास की फिल्म 'स्पिरिट' में भी जोड़ा जा रहा था. लेकिन, बाद में खबर आई कि संदीप रेड्डी वांगा की डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म से दीपिका बाहर आ चुकी हैं. एटली के साथ दीपिका की ये दूसरी फिल्म होगी. इससे पहले दोनों ने 'जवान' में साथ काम किया था.हालांकि, फिल्मों में दीपिका की वापसी के लिए उनके फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं. एक्ट्रेस ने अपनी बेटी के लिए कुछ वक्त तक फिल्मों से दूरी बना ली थी.

15 साल की उम्र में खरीदा घर, अब ये है मोहब्बतें की इस एक्ट्रेस ने बोर्ड एग्जाम में कमाल कर दिया

फिल्म और टीवी की दुनिया में कई सारे ऐसे चाइल्ड आर्टिस्ट हैं जो काफी अच्छा काम कर रहे हैं और उनकी एक्टिंग की हर तरफ प्रशंसा भी देखने को मिल रही है. ऐसा ही किया है एक्ट्रेस रुहानिका धवन ने. उन्होंने पहले तो ये है मोहब्बतें में यंग रूही भल्ला का रोल प्ले कर के सभी को खूब एंटरटेन किया. लेकिन इसी के साथ एक्ट्रेस ने पढ़ाई में भी मन लगाया. उनके 12ह्ळ्द्ध का रिजल्ट आ गया है और एक्ट्रेस काफी अच्छे नंबर्स से पास हुई हैं. उन्होंने 12th के बोर्ड एग्जाम में 91 पर्सेंट हासिल किए हैं. इस बात से वे काफी खुश भी हैं.

किसी भी चाइल्ड एक्टर के लिए अपने काम के साथ पढ़ाई करना इतना आसान नहीं होता है. एक्ट्रेस ने ये भी बताया है कि अपने बिजी शेड्यूल के बीच कैसे उन्होंने वक्त निकालकर बोर्ड की तैयारी की और अच्छे नंबर लाने में भी सफल हुईं. एक्ट्रेस ने इंटरव्यू के दौरान कहा- मैं बोर्ड में 91 पर्सेंट नंबर लाकर काफी खुश महसूस कर रही हूं. मैंने वाकई में बहुत मेहनत की. मैंने 3 साल के लिए अपना एक्टिंग करियर ताक पर रख दिया था ताकि मैं पढ़ाई पर ध्यान लगा सकूं. अब मुझे लगता है कि मेरा ऐसा करना सफल हुआ. मेरे पैरेंट्स को भी मुझपर पूरा भरोसा था कि मैं अच्छे नंबर लाऊंगी और मैंने उन्हें सही साबित कर दिया. मेरी उम्र के दूसरे एक्टर्स प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं लेकिन मैंने पढ़ाई को चुना.

आगे क्या करेंगी रुहानिका ?

रुहानिका ने अपने आगे के प्लान्स के बारे में भी बातें कीं. उन्होंने बताया कि- मैं अब महाराष्ट्र के कई अच्छे कॉलेज के इंटरेंस एग्जाम की तैयारी कर रही हूं. अगर मेरे कॉलेज का शेड्यूल फ्लेक्सिबल होगा तो मैं एक बार फिर से अपने एक्टिंग करियर की ओर अपना फोकस कर पाऊंगी'. मतलब साफ है कि एक्ट्रेस अपनी पढ़ाई को कॉन्टिन्यू रखना चाहती हैं लेकिन वे एक्टिंग से भी पूरी तरह से तौबा नहीं करना चाहती हैं. वे फिलहाल 17 साल की हैं और अपने करियर को लेकर काफी आशावादी हैं.

15 की उम्र में खरीदा था घर

रुहानिका अभी भले ही 17 साल की हैं लेकिन इस उम्र में ही वे काफी सक्सेसफुल भी हो गई हैं. एक्ट्रेस ने 15 साल की नाजुक उम्र में अपना पहला घर भी खरीद लिया था. इस बात की खुशी जाहिर करते हुए एक्ट्रेस ने कहा- अपनी मेहनत के पैसे से घर बनाना मेरे लिए अनबिलीवेबल है.

जब बेस्टफ्रेंड के पति को शाहरुख खान ने जड़ दिया था थप्पड़, 150 करोड़ के नुकसान पर उड़ाया था मजाक

शाहरुख खान फिल्मी दुनिया का बड़ा नाम हैं, साथ ही साथ उनकी फैन फॉलोइंग भी दुनियाभर में काफी ज्यादा है. शाहरुख फिल्मी दुनिया के उन सितारों में से हैं, जिनको लेकर काफी कम नेगेटिव खबरें आती हैं. साथ ही इंडस्ट्री में लोगों के साथ भी एक्टर के काफी अच्छे कनेक्शन भी हैं. हालांकि, एक बार एक्टर उस वक्त चर्चा में बन गए थे, जिस वक्त उन्होंने अपनी बेस्टफ्रेंड के पति को एक भरी पार्टी में थप्पड़ जड़ दिया था.शाहरुख खान के रिश्ते कई लोगों के साथ अच्छे हैं, जिनमें से एक फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान हैं. फराह के साथ शाहरुख ने कई कमाल की फिल्में भी दी हैं, साथ ही दोनों का बॉन्ड आसानी से देखा जा सकता है, लेकिन एक वक्त ऐसा भी था, जब उन्होंने उनके पति शिरीष कुंदर को थप्पड़ जड़ दिया था. शिरीष कुंदर ने एडिटर के तौर पर इंडस्ट्री में अपना कदम रखा था. हालांकि, शाहरुख खान से उनका रिश्ता काफी वक्त से अच्छा नहीं रहा है.

फिल्म की थी ऑफर

दरअसल, दोनों के रिश्ते के बीच तकरार एक फिल्म की वजह से आई थी. शिरीष ने शाहरुख खान को एक फिल्म ऑफर की थी, लेकिन जब एक्टर ने उसकी स्क्रिप्ट पढ़ी, तो उन्हें ये खास पसंद नहीं आई. जिसके बाद शाहरुख ने शिरीष को स्क्रिप्ट में बदलाव करने के लिए कहा था. हालांकि, इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक, इस मामले में वक्त काफी ज्यादा आगे निकल गया और फिर उन्होंने फिल्म में शाहरुख की जगह अक्षय कुमार को कास्ट कर लिया, जिसके बाद उन्होंने तीस मार खां बनाया.

'रा वन' पर किया था कमेंट

वहीं बाद में शाहरुख खान फिल्म 'रा वन' में नजर आए थे, जिसकी रिलीज से पहले ही शिरीष ने इसे लेकर ट्वीट करना शुरू कर दिया था. शिरीष ने लिखा था कि 'रा वन' सब कुछ कर सकता है कि सिवाय फैंस को एंटरटेन करने के. इसके अलावा उन्होंने अपनी दूसरी पोस्ट में फिल्म के बजट पर बात करते हुए लिखा था कि 150 करोड़ के पटाखे के फुस्स. इन सबी नेगेटिव ट्वीट्स पर एक्टर ने कोई भी रिएक्शन नहीं दिया था.

पार्टी में जड़ा था थप्पड़

हालांकि, बाद में शिरीष और शाहरुख की मुलाकात संजय दत्त की फिल्म 'अग्निपथ' की सक्सेस पार्टी के दौरान हुई. बताया गया कि इस दौरान भी शिरीष ने 'रा वन' को लेकर कई सारे कमेंट किए. जिसके बाद शाहरुख ने गुस्से में आकर शिरीष को सभी के सामने थप्पड़ जड़ दिया था. हालांकि, इस मामले को लेकर फराह ने सभी चीजों को गलत ठहराया था, लेकिन शिरीष ने कहा था कि उन पर मुक्के भी बरसाए गए हैं. लेकिन, कुछ वक्त बाद उन्होंने अपने कमेंट के लिए एक्टर से माफी मांग ली थी.

पिता हीरा व्यापारी, भाई US में डॉक्टर...मैसूर सैंडल सोप की ब्रांड एंबेसडर बनीं

तमन्ना भाटिया

को कितना जानते हैं आप?

कर्नाटक सरकार ने साउथ और बॉलीवुड फिल्मों की एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया को मैसूर सैंडल सोप का ब्रांड एंबेसडर बनाया है. तमन्ना 2 साल के लिए 6.2 करोड़ रुपये चार्ज कर रही हैं. हालांकि, उन्हें ब्रांड एंबेसडर बनाए जाने पर बवाल भी मचा हुआ है. चलिए इस मामले के बीच आपको तमन्ना के बारे में कुछ ऐसी बातें बताते हैं, जो शायद ही आप जानते हों.तमन्ना का जन्म 21 दिसंबर 1989 को मुंबई में हुआ था. उनके पिता का नाम संतोष भाटिया है, जो एक हीरा व्यापारी हैं. उनकी मां का नाम रजनी भाटिया है. एक्ट्रेस ने अपनी पढ़ाई लिखाई मुंबई से की है. उन्होंने मानेकजी कूपर एजुकेशन ट्रस्ट से अपनी स्कूलिंग की. वहीं उन्होंने मुंबई के नेशनल कॉलेज से डिस्टेंस में आर्ट्स में बैचलर डिग्री ली है.

तमन्ना भाटिया की फिल्मी करियर

तमन्ना के एक बड़े भाई भी हैं, जिनका नाम आनंद भाटिया है. वो पेशे से एक डॉक्टर हैं और अमेरिका में रहते हैं. बहुत सारे लोगों को लगता है कि तमन्ना ने अपना फिल्मी करियर साउथ फिल्मों से शुरू किया था, लेकिन ऐसा नहीं है. उन्होंने साल 2005 में बॉलीवुड से ही डेब्यू किया था. उनकी पहली फिल्म 'चांद से रौशन चेहरा' थी. उसी साल उन्होंने 'श्री' नाम की फिल्म से तेलुगु सिनेमा में भी कदम रखा था और फिर 2006 में 'केड़ी' नाम की फिल्म से उन्होंने तमिल सिनेमा में डेब्यू किया था.

डेब्यू के बाद तमन्ना ने ढेरों फिल्मों में काम किया, लेकिन वो लोगों की नजरों में साल 2015 में रिलीज हुई प्रभास की फिल्म 'बाहुबली' से आईं. तमन्ना आज के समय में बॉलीवुड का एक बड़ा नाम बन चुकी हैं. साल 2024 में रिलीज हुई राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म 'स्त्री 2' में उन्होंने आइम नंबर किया था. 'आज की रात' गाने में लोगों ने उन्हें काफी पसंद किया था. उसके बाद से वो काफी ज्यादा सुर्खियों में रहने लगीं.

तमन्ना को ही क्यों बनाया ब्रांड एंबेसडर ?

बहरहाल, चलिए ये भी जान लेते हैं कि आखिर तमन्ना को ही क्यों ब्रांड एंबेसडर बनाया गया. रश्मिका मंदाना, कियारा आडवाणी, दीपिका पादुकोण, पूजा हेगड़े के होते हुए तमन्ना को ही ब्रांड एंबेसडर के तौर पर क्यों लिया गया. इस सवाल के जवाब में कर्नाटक सरकार में मंत्री एमबी पाटिल ने कहा कि रश्मिका ने कोई दूसरा प्रोजेक्ट साइन किया था. पूजा और कियारा को लेना भी पॉसिबल नहीं हुआ और दीपिका बजट में नहीं थीं.

इन सबके नामों पर विचार हुआ था, लेकिन जब मुमकिन नहीं हुआ तो तमन्ना को लिया गया. उन्होंने ये भी कहा कि तमन्ना के इंस्टाग्राम पर 2.8 करोड़ फॉलोअर्स हैं और वो इसके लिए सही हैं.

हार के डर से हिमंत ने उठाया पाकिस्तान-लिंक का मुद्दा: कांग्रेस

गुवाहाटी
कांग्रेस ने रविवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि वे लोकसभा सांसद गौरव गोगोई को आईएसआई (पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी) का एजेंट साबित करने की कोशिश इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि अगर कांग्रेस 2026 के असम विधानसभा चुनाव में गोगोई को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाती है, तो भाजपा की हार तय है। पूर्व राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ कांग्रेस नेता रिपुन बोरा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि गोगोई की लोकप्रियता से सरमा घबराए हुए हैं। उन्होंने कहा, 'हिमंत बिस्वा सरमा को यह बात अच्छी तरह से समझ आ गई है कि अगर कांग्रेस गोगोई को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाती है, तो उन्हें हार का सामना करना पड़ेगा। इसलिए वह बेबुनियाद आरोप लगाकर गोगोई की छवि को खराब करना चाहते हैं।'

गोरव गोगोई की बढ़ती लोकप्रियता से डरे हैं सरमा-कांग्रेस

रिपुन बोरा ने कहा कि गोगोई ने संसद के अंदर और बाहर अपनी कार्यशैली से खुद को साबित किया है। इसीलिए उन्हें लोकसभा में पार्टी का उपनेता बनाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी ने उन्हें हराने के लिए पूरी ताकत झोंक दी थी, लेकिन गोगोई ने 2024 में जोरहाट सीट से शानदार जीत दर्ज की, जिससे उनकी राजनीतिक साख और बढ़ी। मुख्यमंत्री सरमा ने दावा किया था कि गोगोई की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न ने पाकिस्तान की 19 बार यात्रा की है और उनके आईएसआई से संबंध हैं। इस पर बोरा ने जवाब दिया, 'गोगोई की पत्नी एक अंतरराष्ट्रीय एनजीओ में काम करती हैं, जिसका नेटवर्क पाकिस्तान सहित कई देशों में है। अगर उन्होंने काम के सिलसिले में पाकिस्तान की यात्रा की हो या वहां से वेतन मिला हो, तो इसमें गलत क्या है?' बोरा ने सवाल उठाते हुए कहा, 'विदेश मंत्री एस. जयशंकर की पत्नी जापानी नागरिक हैं और उनका एक बेटा ब्रिटिश नागरिक है। तो क्या इसका मतलब यह है कि हम जयशंकर की देशभक्ति पर शक करें?'

सेलेबो कास्टिंग कंपनी द्वारा कराया गया प्ररेणा अवार्ड

दिव्य दिल्ली : प्रेरणा पुरस्कार उन रत्नो को दिया जाता है जो देश और सामाजिक परिवर्तन में' महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। यह पुरस्कार सेलेबोकास्टींग कंपनी के माध्यम से दिया जाता हैं। सेलेबो कास्टिंग की डायरेक्टर नेहा धामी का यह तीसरा कार्यक्रम हैं जो दिल्ली ही नही पूरे भारत में लोकप्रिय हैं। महाकुंभ एवं माघ मेला का आयोजन हो या फिर बाढ़ में राहत कार्य पीली जैकेट पहने सिविल डिफेंस, पुलिस, आर्मी के सदस्य आपको हर जगह दिख जाएंगे। युद्ध के दौरान तो इनकी भूमिका और बढ़ जाती है। तनाव वाले माहौल में कोर के वार्डन, पुलिस, आर्मी नागरिकों को जागरूक करने एवं सुरक्षा प्रदान करने के साथ उनका हौसला बढ़ाकर मनोवैज्ञानिक युद्ध भी लड़ते हैं। इनकी इन्हीं भूमिकाओं को देखते हुए सीमा पर तैनात सैनिकों की तरह ही वार्डन सेवा को भी महत्व दिया जाता है। युद्ध से पहले तथा दौरान इनकी भूमिका को इससे ही समझा जा सकता है कि पाकिस्तान में आतंकी अड्डों के ध्वस्त करने के बाद तनाव बढ़ते ही सिविल डिफेंस, आर्मी डॉक्टर मीडीया पुलिस को अलर्ट कर दिया गया और मॉक ड्रिल एवं ब्लैक आउट जैसे अभियान उनकी अगुवाई में शुरू कर दिए गए। इसमें प्रशासन, पुलिस, अग्निशमन, चिकित्सा के लोग भी शामिल हैं। देश में मुद्दे समस्या से निजात दिलाने के लिए आज भी जस्टिस वॉरियर्स के रूप में समाज की सेवा में जुट हुए और देश में सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए पुलिस प्रशासन के कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे, डॉक्टर, पत्रकार सिविल डिफेन्स, आर्मी, जज, समाज सेवक का योगदान बेहद अहम है। ये लोग अपने कर्तव्यों का पूरी तरह निर्वहन करते हुए डटे हैं। चाहे वो गर्मी हो या भारी बारिश।

अब जस्टिस वारियर को प्रोत्साहन देने हेतु सेलेबोकास्टिंग की डायरेक्टर नेहा सिंह धामी तीसरी बार फिर प्रेरणा अवार्ड 3 लेकर आई। उन्होने अपनी कंपनी सेलेबो कास्टिंग द्वारा प्रेरणा 3 कार्यक्रम आयोजित किया जो कि 17 मई दिल्ली के आर्य ऑडोटोरियम में प्रेरणा 3 अवार्ड से देश की कई बड़ी हस्तियों को सम्मानित किया।

दिल्ली: अवैध रुप से रह रहे 9 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

दिव्य दिल्ली: दिल्ली पुलिस ने दिल्ली में अवैध रुप से रह रहे बांग्लादेशियों पर कड़ी कार्रवाई की है दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे नौ बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। यह छापेमारी भारत नगर थाना क्षेत्र के वजीरपुर जेजे कॉलोनी में की गई। आरोपियों के पास से प्रतिबंधित क्वट्ड एप्लिकेशन युक्त एक स्मार्टफोन भी बरामद किया गया है। इस विशेष अभियान की निगरानी इंस्पेक्टर विपिन कुमार और एसीपी रंजीव कुमार ने की, जिसमें एसआई श्याम बीर, एएसआई राजेंद्र, एचसी विक्रम, एचसी प्रवीण और कांस्टेबल दीपक शामिल थे। पुलिस के अनुसार, खुफिया सूचना के आधार पर इलाके में लगभग 50 फुटपाथ और 100 गलियों की गहन तलाशी ली गई। एक संदिग्ध की गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में पता चला कि वह भारत में अवैध रूप से रह रहा है और बांग्लादेशी नागरिक है। आगे की पूछताछ और पहचान के आधार पर उसके अन्य 8 परिजनों को भी गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी कूचबिहार सीमा के रास्ते भारत में घुसे थे और पहले हरियाणा के मेवात जिले में काम कर चुके थे।

थिएटर में 'भूल चूक माफ' की स्क्रीनिंग के दौरान देखें जाह्नवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर दिनेश विजान और मैडॉक फिल्म्स की 'परम सुंदरी' का एक्सक्लूसिव फर्स्ट लुक

दिव्य दिल्ली : निर्माता दिनेश विजान और मैडॉक फिल्म्स और निर्देशक तुषार जलोटा ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'परम सुंदरी' का एक्सक्लूसिव फर्स्ट लुक जारी कर दिया है, जिसे फिल्म 'भूल चूक माफ' के दौरान सिनेमाघरों में देखा जा सकता है। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा की यह नई रोमांटिक जोड़ी पहली बार स्क्रीन शेयर कर रही है और ऑन-स्क्रीन इस नई जोड़ी अपनी बेमिसाल रोमांटिक केमिस्ट्री सिनेप्रेमियों को मंत्रमुग्ध करने के लिए पूरी तरह तैयार है। पर्दे पर यह नई जोड़ी अनूठा रोमांस करती दिखेगी, जिनके साथ दर्शकों को भी प्यार में पड़ने के लिए तैयार रहना होगा! दरअसल, 'परम सुंदरी' उत्तर-दक्षिण भारत की एक खूबसूरत लवस्टोरी है और इसी के साथ यह अपने दर्शकों को एक ऐसा सिनेमाई अनुभव देने के लिए तैयार है, जो लुभावना ही नहीं, बल्कि अविस्मरणीय भी होगा। माना जाता है कि पहली फ्रेम ही नहीं, बल्कि हर एंगल से यह नई जोड़ी अपने आकर्षण में दर्शकों को बांधे रखेगी। यही वजह है कि सिनेप्रेमी अभी से इस फिल्म को लेकर कुछ अधिक ही जिज्ञ-ासु नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही सोनू निगम की आवाज के साथ फिल्म का मधुर बैकग्राउंड स्कोर इसे एक ऐसा म्यूज़िक एलबम बनाता है, जिसे देखना वाकई बेहद दिलचस्प होगा। हालांकि, मैडॉक फिल्म्स बहुत जल्द एक और एलमम भी रिलीज करने वाला है।कुल मिलाकर, 'परम सुंदरी' सिनेप्रेमियों के दिलों की धड़कनों को तेज करने और पर्दे पर धमाल मचाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

दिल्ली में तूफानी बारिश ने तोड़ा 125 साल पुराना रिकॉर्ड, 10 डिग्री सेल्सियस तक गिरा पारा

नई दिल्ली
पहेली बने मई माह के मौसम ने शनिवार आधी रात के बाद एक बार फिर राजधानीवासियों को चौंका दिया। तेज आंधी के साथ रिकॉर्ड बारिश ने 125 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। तापमान में भी काफी गिरावट दर्ज की गई। यह अलग बात है कि रात का समय होने और अगले दिन छुट्टी होने के कारण इस बार जनजीवन पर ज्यादा असर नहीं पड़ा। मौसम विभाग की मानें तो पूरे सप्ताह मौसम ऐसा ही रहेगा। नौतपा (25 मई से दो जून तक) के दिनों में भी गर्मी के तेवर हल्के रहेंगे। 31 मई तक पूवार्नुमान है कि रोजाना कमोबेश बादल छाए रहेंगे, हल्की बारिश होगी और तापमान भी कम रहेगा।रविवार की सुबह जब दिल्लीवासी उठे तो गरज-चमक के साथ तेज बारिश हो रही थी। आंधी-बारिश का यह दौर रात करीब एक बजे शुरू हुआ और सुबह साढ़े आठ बजे तक जारी रहा। लेकिन सबसे ज्यादा असर तीन बजे तक देखने को मिला। महज दो घंटे में 68.0 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। आंधी की रफ्तार 82 किमी प्रति घंटा दर्ज की गई। इसके बाद सुबह साढ़े पांच बजे तक 13.2 मिमी और सुबह साढ़े पांच से साढ़े आठ बजे तक 0.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। कुछ जगहों पर ओलावृष्टि भी देखने को मिली। इस दौरान हवा की गति भी बदलती रही। इससे पहले एक मई को आधी रात के बाद कमोबेश ऐसा ही मौसम देखने को मिला था।

अंतरिक्ष मिशन से पहले क्वारंटीन हुए शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली
भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और उनके तीन साथियों को एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए जाने से पहले क्वारंटीन में भेजा गया हैं। इस बात की जानकारी अमेरिकी निजी अंतरिक्ष कंपनी एक्सिओम स्पेसने ने रविवार को दी। बता दें कि यह मिशन एक्सिओम स्पेस, नासा, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) और इसरो के सहयोग से किया जा रहा है। मिशन की लॉन्चिंग 8 जून को भारतीय समयानुसार शाम 6:41 बजे अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से होगी। अंतरिक्ष यात्री स्पेस एक्स के फॉल्कन 9 रॉकेट के जरिए ड्रैगन अंतरिक्षयान में रवाना होंगे।

14 दिन अंतरिक्ष में रहेंगे यात्री

देखा जाए तो ये पहली बार है कि कोई भारतीय अंतरिक्ष यात्री आईएसएस पर जाएगा। मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्री वहां 14 दिन रहेंगे और वैज्ञानिक प्रयोग, तकनीक का प्रदर्शन और वैश्विक जागरूकता अभियान जैसे काम करेंगे। हालांकि इन अंतरिक्ष यात्रियों के रवाना होने से पहले एक्सिओम स्पेस ने एक सेरेमोनियल सेंड-ऑफ (विदाई समारोह) आयोजित किया, जिसमें कंपनी के कर्मचारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं गई। इस अवसर पर एक्सिओम-4 ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यह एक परंपरा है, जिससे मिशन पर जाने से को सम्मान दिया जाता है। गौरतलब है कि शुभांशु शुक्ला, जो इसरो के गगनयान मिशन के लिए चुने गए चार अंतरिक्ष यात्री उम्मीदवारों में से एक हैं, इस मिशन में पायलट की भूमिका में होंगे।

पाकिस्तान और आईएर्स में फर्क नहीं', असदुद्दीन ओवैसी ने 'आतंकिस्तान' को दिखाया आईना

मनामा
पहलगाम में आतंकी हमले और उसके बाद चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बारे में भारत का पक्ष रखने के लिए बहरीन गए सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य व एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि पाकिस्तान के आतंकियों और आईएस की तकफीरी विचारधारा के बीच कोई अंतर नहीं है। ओवैसी ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'हमारी सरकार ने हमें यहां और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में कई अन्य सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों को भेजा है, ताकि दुनिया को पता चले कि भारत किस खतरे का सामना कर रहा है।' उन्होंने कहा, 'आतंकियों ने भारत में निर्दोष लोगों की हत्या को उचित ठहराया है। हमारी राय में पाकिस्तान के आतंकियों और इस्लामिक स्टेट की तकफीरी विचारधारा (हिंसा को सही ठहराने के लिए साथी मुस्लिमों सहित अन्य लोगों को धर्मद्रोही करार देना) के बीच कोई अंतर नहीं है।

लालू ने तेजप्रताप को पार्टी से छह साल के लिए किया निष्कासित

पटना
राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने अपने बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। इसके साथ ही परिवार से भी तेजप्रताप को दूर कर दिया गया है। अब तेजप्रताप की पार्टी और परिवार में किसी तरह की कोई भूमिका नहीं रहेगी। रविवार को लालू प्रसाद यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर ट्वीट करते हुए यह लिखा कि "निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है।

अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूँ। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी।

मणिपुर: बीएसएफ महानिदेशक दलजीत सिंह ने किया दो दिवसीय दौरा, सुरक्षा अभियानों की समीक्षा की

इंफाल
सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक (डीजी) दलजीत सिंह चौधरी ने शनिवार को यहां दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे और वर्तमान कानून और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। रविवार को उन्होंने बिष्णुपुर और चुराचांदपुर जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात बीएसएफ इकाइयों का दौरा किया और वहां तैनात जवानों से बातचीत की। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान डीजी ने मणिपुर सरकार के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह और राज्य के पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह से अलग-अलग बैठकें कीं और कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। डीजी ने वरिष्ठ बीएसएप अधिकारियों के साथ कोइरेंगेई स्थित बल के सेक्टर मुख्यालय में अधिकारियों और जवानों को संबोधित किया। मणिपुर के विभिन्न जिलों में तैनात सभी अधिकारी और जवान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इसमें शामिल हुए। उन्होंने क्षेत्र की सुरक्षा में उनके अथक प्रयासों की सराहना की और उन्हें अपने निस्वार्थ सेवा को जारी रखने के लिए प्रेरित किया। डीजी ने ने बिष्णुपुर और चुराचांदपुर जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात बीएसएफ इकाइयों का दौरा किया और वहां के जवानों से बातचीत की। उन्होंने लोकटक स्थित 10वीं बटालियन बीएसएफ मुख्यालय का भी दौरा किया, जहां उन्होंने जवानों से बातचीत की और उन्हें शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अपने प्रयास जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रवक्ता ने बताया कि डीजी को मणिपुर की वर्तमान कानून व्यवस्था की स्थिति पर विस्तृत जानकारी दी गई और उन्होंने सेक्टर अधिकारियों से विस्तार से बातचीत की। उन्होंने बीएसएफ कर्मियों का एक प्रदर्शन भी देखा और जवानों से मुलाकात कर राज्य में सुरक्षा बनाए रखने के उनके समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना की। इस दो दिवसीय यात्रा के दौरान डीजी के साथ बीएसएफ के के पूर्वी कमान के अतिरिक्त महानिदेशक महेश कुमार अग्रवाल, मिजोरम और कछार फ्रंटियर के महानिरीक्षक संजय कुमार मिश्रा और एसटीसी-बीएसएफ के महानिरीक्षक इंद्र देव सिंह भी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की यूपी के हनी उद्यमियों की प्रशंसा

नई दिल्ली/लखनऊ
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 122वें 'मन की बात' कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों की शानदार उपलब्धियों की सराहना की। हाल ही में बिहार में संपन्न हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में प्रदेश के तीन खिलाड़ियों, बरेली के कादिर खान, वाराणसी के शेख जीशान और बिजनौर के तुषार चौधरी ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। पीएम ने इन युवा प्रतिभाओं की मेहनत और लगन को प्रेरणादायक बताया। साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश के शहद उद्योग में बढ़ रहे हनी उद्यमियों की भी प्रशंसा की। वहीं नई दिल्ली में एनडीए मुख्यमंत्री परिषद की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय मंत्रियों और अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ पीएम के इस कार्यक्रम को सुना।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397